





تاشکنت  
۱۹۷۰

ҒАФУР ҒУЛОМ НОМИДАГИ  
БАДИИЙ АДАБИЁТ НАШРИЁТИ  
ТОШКЕНТ—1970



عمر شام

قاسم



شاه  
خانی

رباعیات

рубонийлар  
рубайят



مترجمان:

شاه اسلام شاه محمد  
و

ولادیمیر دیرزاوین

A. Sergey.

ШОИСЛОМ ШОМУҲАМЕДОВ

таржимаси

Русский перевод

ВЛАДИМИРА ДЕРЖАВИНА



آنها که بحکمت در معنی سفتند      در ذات خداوند سخنها گفتند

سرشته اسرارند آنست کسی      اول زنجی زدند و آخر خفتند

\*

Кўплар донишманд деб билдилар ўзни,  
Худонинг зотидан очдилар сўзни.  
Ҳеч бири билолмай азал сирларни,  
Алжираб-валжираб юмдилар кўзни.

\*

Где теперь эти люди мудрейшие нашей земли?  
Тайной нити в основе творенья они не нашли.  
Как они суесловили много о сущности бога,  
Весь свой век борадами трясли — и бесследно ушли.



آنها که خلاصه جهان ایشانند    براوج فلک براق فکرت رانند  
 در معرفت ذات تو مانند فلک    سرشته و سرنگون و سرگردانند

\*

Жаҳон хулосаси бўлган инсонлар  
 Фалакнинг авжида от сурган онлар,  
 Зотини билишда худди осмондек  
 Эгилгану сарсон ҳам саргардонлар.

\*

Тот избранный, кем путь познания начат,  
 Кто в небе на Бураке мысли скачет,  
 Главой поник, познавши суть свою,  
 Как небо, — и в растерянности плачет.



آنانكه كهس نبوند و آنانكه نوبند  
هر يك پي يكد گريه كايك بشوند

وين ملك جهان بكس نماند جاويد  
رفتند و رويم و باز آيند و روند

\*

Кекса, ёш — ҳаётга ҳар кимки етар —  
Ҳаммаси изма-из, бирма-бир ўтар.  
Бу дунё ҳеч кимга қолмас абадий,  
Кетдилар, кетамиз, келишар, кетар.

\*

Всех, кто стар и кто молод, что ныне живут,  
В темноту одного за другим уведут.  
Жизнь дана не навек. Как до нас уходили,  
Мы уйдем; и за нами — придут и уйдут.



گر گل نبود نصیب ما خار بس است      و ز نور نمیرسد ما نار بس است

گر خرقة و خانقاه و شینجی نبود      ناقوس و کلیت و زنار بس است

\*

Бизга гул тегмаса, тикан — хор ҳам бас,  
Нур етмаса, олов — гулхан — нор ҳам бас.  
Жанда тўн, ханоқоҳ ё шайх бўлмаса,  
Қўнғироғу черков ва зуннор ҳам бас.

\*

Если розы не нам, — и шипов вместо дара довольно.  
Если свет не для нас, — нам очажного жара довольно.  
Если нет ни наставника, ни ханаки, ни хырки, —  
С нас и церкви, и колокола, и зуннара довольно.



یارب تو بگویم سرشته فی من چه کنم چشم و قصبم تو رشتہ فی من چه کنم

هر نیک و بدی که آید از من بوجود تو بر سر من نبشته فی من چه کنم

Ераб, лойимни-ку қорган ўзингсан,  
Ўриш — арқоғимни ўрган ўзингсан.  
Емонманми, яхши, мен қандоқ қилай?  
Тақдир манглайини берган ўзингсан.

Ты сам ведь из глины меня изваял! — Что же делать мне?

[illegible]

Все зло и добро, что я в мире вершу, ты сам предрешил,  
Удел мой ты сам мне на лбу начертал! — Что же делать  
мне?



آنکس که بخوبان لب خندان دادست . خون جگری بدر دهنندان دادست  
 گر قسمت ماندادشادی غم نیست شادیم که غم هزار چندان دادست

\*

Ул киму гўзалларга хандон лаб бермиш,  
 Дард аҳлига жигар қонин зап бермиш.  
 Қисматимиз шодлик бўлмаса не ғам,  
 Шодмиз, чунки ғамни минг-минглаб бермиш.

\*

Кто губам прекрасным улыбку беспечную дал,  
 Кто в удел скорбящим печаль сердечную дал?  
 Пусть он не дал нам счастья, — довольно с нас и покоя,  
 Ибо многим он слезы и муку вечную дал.



افسوس که بیفایده فرسوده شدیم      در طاس سپهر باژگون سوده شدیم  
 در داو ندامت که تا چشم زدیم      نابوده بکام خویش نابوده شدیم

\*

Афсуски, бекордан-бекор сўлдик биз,  
 Фалакнинг дастидан кукун бўлдик биз.  
 Кўз очиб юмгунча кўрган аламдан  
 Тилакка етолмай, охир ўлдик биз.

\*

Жаль, что впустую жизнь мы провели.  
 Что в ступе суеты нас истолкли.  
 О жизнь! Моргнуть мы не успели глазом —  
 И, не достигнув ничего, — ушли!



چو چشمد که روی و موی زیباست مرا      چون لاله رخ و چو سرو بالاست مرا  
 معلوم نشد که اندرین گلشن دهر      نقاشی ازل بهر چه آراست مرا

\*

Ҳар қанча бўлса ҳам юзгинам гўзал,  
 Қоматим сарв каби тикка, мукаммал,  
 Тушина олмадим, нега бунчалик  
 Оро берган экан наққоши азал.

\*

И лица, и волосы ваши красивы,  
 Вы, как кипарисы, стройны, горделивы,  
 И все же никак не могу я понять,  
 Зачем в цветнике у творца возросли вы?



کرجنس مرا خاصه بدانند ساقی      صد فصل ز هر نوع برانند ساقی

چون و اما نام برسم خود باره و پر      وز حد خودم در گذرانند ساقی

Жинсимдан бир хослик топса гар соқи,  
Ҳар навдан юз фасл кашф этар соқи.  
Май берсин, баридан кечайин майли,  
Хаддимдан оширсин сарбасар соқи.

Коль в роде отличишь моем ты призрак родовой, саки,  
То сто различий видовых возникнет пред тобой, саки,  
Охотно отрекусь от них, а ты мне в досталь дай вина,  
И пусть я перестану быть тогда самим собой, саки!



ساقی دل من ز دست اگر خواهد رفت    دریاست کجا ز خود بدر خواهد رفت

صوفی که چو ظرف تنگ پراز جمل است    یک جرعه اگر خورد بسر خواهد رفت

\*

Соқий, дилим тўлиб-тошмоқчи бўлса,  
У — денгиз, тошмайди қанчалар тўлса.  
Сўфий дили лим-лим жаҳлга тўла,  
Бошга чиқар қултум май юта қолса.

\*

Если сердце захочет свободы и сбросит аркан,  
То куда же уйти ему, кравчий? Ведь мир — океан!  
И суфий, как сосуд узкогорлый, неведенья полный,  
Если выпьет хоть каплю, — ей богу, окажется пьян.



افسوس که نامه جوانی طی شد      وان تازه بهار زندگانی دی شد

آن مرغ طرب که نام او بود شباب      افسوس ندانم که کی آمد کی شد

\*

Афсуски йигитлик мавсуми битди,  
Кўклам ўтиб кетди, қиш келиб етди.  
Ёшлик деб аталган у севинч қуши,  
Билмадим, қачонлар келди-ю кетди.

\*

Вся книга молодости прочтена,  
Увяла жизни ранняя весна.  
Где птица радости? Увы, не знаю,  
Куда умчалась, где теперь она?



گردست به لود قضا داشتی    بریل و مراد خویش بنگاشتمی  
 غم راز جهان یکسر برداشتی    وز شادمانی به چرخ افراشتی

\*

Тақдир лавҳасида ҳукмим бўлғонда,  
 Майлимча ёзардим уни шу онда.  
 Қайғуни дунёдан йўқотиб буткул,  
 Шодликдан бўларди бошим осмонда.

\*

Когда б скрижаль судьбы мне вдруг подвластна стала,  
 Я все бы стер с нее и все писал сначала.  
 Из мира я печаль изгнал бы навсегда,  
 Чтоб радость головой до неба доставала.



زین گنبد گردنده بد افغالی بین    وز چمد دوستان جهان خالی بین

تا بتوانی تو یک نفس خود را باش    فردا مطلب دی منکر خالی بین

\*

Кўп ёмон фалакнинг феъл-афъоли, бил,  
Дўстлардан жаҳонни бўшу холи бил.  
Кўлингдан келганча ўзинг билан бўл,  
Кечадан, тонгладан шу дам олий, бил.

\*

Ты коварства бегущих небес опасайся.  
Нет друзей у тебя, а с врагами не знайся.  
Не надейся на завтра, сегодня живи.  
Стать собою самим хоть на миг попытайся.



از آمدن بحار و از رفتن دی      اوراق کتب مایه می گردد علی  
می خور مخور اندوه که فرموده حکیم      غمهای جهان چو زهر و تریاقش می

\*

Қиш ўтиб, келади баҳор садоси,  
Етар умр варағин ҳам интиҳоси.  
Ғам ема, май ичгил, ҳаким дебдиким,  
Жаҳон ғами заҳар, шароб давоси.

\*

Месяц Дей уступает цветущей весне,  
Книга жизни подходит к концу в тишине...  
Пей вино, не горюй! Огорчения мира —  
Яд смертельный, противоядье — в вине.



گر بخت ز زندگانی گذرد مگذار که جز شادمانی گذرد

ز نهار که سرمایۀ این ملک جهان عمر است و بد انسان گذرانی گذرد

\*

Умрингдан нафас ҳам ўтса, эй инсон,  
Қўлдан чиқармагил бўлмайин шодон.  
Қандоқ ўтказурсан, шундоқ ўтар умр,  
Хушёр бўл, аслида шундақа жаҳон.

\*

За мгновеньем мгновенье — и жизнь промелькнет...  
Пусть весельем мгновенье это блеснет!  
Берегись, ибо жизнь — это сущность творенья.  
Как ее проведешь, так она и пройдет.



این کوزه گران که دست بطل دارند    گر عقل و خرد نیک برو بکارند  
 هرگز نزنند مُشت و سیلی و لگد    خاک پدران است نکومی دارند

\*

Лойни мушлаб турган анови кулол —  
 Қилсайди ақл ила чуқурроқ хаёл,  
 Ҳеч қачон бунчалик тепкиламасди,  
 Ота тупроғидан ясаркан сопол.

\*

Глянь на месящих глину гончаров, —  
 Ни капли смысла в головах глупцов.  
 Как мнут и бьют они ногами глину...  
 Опомнитесь! Ведь это прах отцов!



گویند که می بخور به شعبان نه رواست      نه نیز رجب که آن مه خاص است

شعبان و رجب مه خدایند و رسول      ماهی رمضان خوریم کان خاص است

\*

Дерларки, шаъбонда май ичиб бўлмас,  
Ражаб худо ойи, ичма бир нафас.  
Шаъбон, ражаб — худо, пайғамбар ойи,  
Рамазон бизники, шунда ичсак бас.

\*

«В Шабане месяце не троньте винных чаш!  
Не пейте и в Раджаб!» — гласит нам веры страж,  
Шабан, Раджаб — пора аллаха и пророка?  
Что ж, пейте в Рамазан. Уж этот месяц наш!



ای چرخ چه شد خیس را چیز دمی      گرمابه و آسیاب و دهلیز دمی  
آزاده به نان شب کروگان بدید      باید که برانچنین فلک تیز دمی

\*

Э чарх, нокасларни қилдинг фаровон —  
Ҳаммому уй бердинг, ер, сув, тегирмон,  
Тўғри киши гаров бир бурда нонга,  
Жиртакка арзимас бундайин даврон.

\*

О небо, ты души не чаешь в подлецах!  
Дворцы, и мельницы, и бани — в их руках;  
А честный просит в долг кусок лепешки черствой...  
О небо, на тебя я плюнул бы в сердцах!



تن در غم روزگار سپید آمده مار از غم گزشتگان پادیده  
 دل جز به سیر زلف پیرمزا آمده بی باده مباحش و عمر بر بادوده

\*

Ён берма, бу дунё аслида бедод,  
 Ўтганлар ғамин ҳам қилма менга ёд.  
 Қўнгил берма гажак сочдан бўлакка,  
 Майсиз бўлма, умринг айлама барбод.

\*

Что гнет судьбы? Ведь это всем дано.  
 Не плачь о том, что вихрем сметено.  
 Ты радостно живи, с открытым сердцем.  
 Жизнь не губи напрасно, пей вино!



ای نخب از کار جهان هیچ نمی  
بنیاد تو بادست از آن هیچ نمی

شد حد وجود تو میان دو عدم  
اطراف تو هیچ در میان هیچ نمی

\*

Эй онгсиз, билмайсан, бу олам ҳечдир,  
Негизинг шамолдир, бир тутам, ҳечдир.  
Икки йўқлик аро қолмиш борлигинг,  
Атрофинг йўқлигу ўрта ҳам ҳечдир!

\*

Кто ты, не знающий мира? Сам посмотри: ты — ничто,  
Ветер — основа твоя, ты, богом забытый, — ничто.  
Грань твоего бытия — две бездны небытия,  
Тебя окружает ничто, а сам внутри ты — ничто.



افسوس که سرمایه زلفت بیرون شد      وز دست اجل بسی بگرما خون شد  
 کس نامه از آنجهان که آرد خبری      و احوال مسافران بگوید چون شد

\*

Афсус, ёруғ умрим -- қаро тун бўлди,  
 Ажал дастидан кўп жигар хун бўлди.  
 У дунёдан келиб, айтмади ҳеч ким:  
 Кетганлар бошида қандай кун бўлди.

\*

Как горько, что жизни основы навек обрываются!  
 Уходят в неизвестность... и кровью сердца обливаются.  
 Никто не вернулся и вести живым не принес:  
 Что с ними? И где они в мире загробном скитаются?



از بادو شود گستر از سر تا کم      وز بادو شود گشت ده بند محکم  
ایلیس اگر ز بادو خوروی یکدم      کردی دوهزار سجده پیش آدم

\*

Ичкилик кеккайган бошни қилур ҳам  
Майдан ечилмаган бирор тугун кам.  
Бир қултум май ичган бўлсайди шайтон,  
Минг сажда қиларди одамга ул ҳам.

\*

Испивши вина среди нас, и гордец бы смягчился.  
Я видел, как узел тугой от вина распустился,  
И если бы выпил вина ненавистник Иблис,  
Две тысячи раз Человеку бы он поклонился.



ساقی که رخت ز جام کشیده است    مردن برکت ز عمر جاویده است  
 خاک قدمت که چشم من روشن از او است    هر ذره ز صد هزار خورشید به است

\*

Соқи, юзинг — жоми Жамшиддан яхши,  
 Йўлингда ўлмоқ — умри жовиддан яхши,  
 Қадаминг чангидан кўзларим равшан,  
 Ҳар зарраси юз минг хуршиддан яхши.

\*

Саки! Джамшида чаши лик твой краше,  
 Смерть за тебя отрадней жизни нашей.  
 И прах у ног твоих — свет глаз моих —  
 Светлей ста тысяч солнц в небесной чаше.



ز آوردن من نبود کردن را سود      وزیردن من بعز و جایش نفرو و

وز چمکسی نیز دو گوشم شنود      کاوردن و بردن من از بهر چه بود

\*

Мен келдиму, дунё кўрдими фойда?  
Кетсам, мартабаси ошарми? Қайда!  
Ҳеч ким тушунтириб бера олмади:  
Келишим — кетишим сабаби қайда.

\*

В мир пришел я, но не было небо встревожено.  
Умер я, но сиянье светил не умножено.  
И никто не сказал мне — зачем я рожден  
И зачем второпях моя жизнь уничтожена?



هرگز بطرب شراب نابی نخورم      تا از کف اندوه شرابی نخورم

نانی نزنم در نمک هیچ کسی      تا از جگر خویش کبابی نخورم

\*

То қайғу қўлидан ичмасдан шароб,  
Қувониб ичмадим асло майи ноб.  
Ҳеч кимнинг тузига нон ботирмайман,  
То ўз жигаримдан емайин кабоб.

\*

Беспечно не пил никогда я чистого вина,  
Пока мне чаша горьких бед была не подана.  
И хлеб в солонку не макал, пока не насыщался  
Я сердцем собственным своим, сожженным дочерна.



خشت سرختم ز ملک جسم خوشتر      بوی قدح از غذای مریم خوشتر  
 آه سحری ز سینه خماري      از ناله بوسه‌دواد هم خوشتر

\*

Хум тувоғи Жамшид давлатидан соз.  
 Култур май Марямнинг овқатидан соз.  
 Мастларнинг тонготар чеккан оҳлари  
 Бусайид, Адҳамнинг ниятидан соз.

\*

Черепок кувшина выше царства, что устроил Джам.  
 Чаша винная отрадней райской пищи Мариам.  
 Ранним утром вздохи пьяниц для души моей священной  
 Воплей всех Абу Саида и молитв, что пел Адхам.



برکوزه گوی پریر کردم گذرے از خاک ممی نمود هر دم منبرے  
 من دیدم اگر ندید شری بگری خاک پدران در کف هر کوزه گریے

\*

Кулол дўконига кирдим, кўзагар  
 Лой ишлар кўрсатиб ажойиб ҳунар.  
 Ҳеч ким кўрмагани мен кўриб қолдим,  
 Ота-бобом лойин қўлида эзар.

\*

Вчера зашел я в лавку гончаров,  
 Проворны были руки мастеров.  
 Но не кувшины я духовным взором  
 Увидел в их руках, а прах отцов.



گویند مرا که می پرستممستم    گویند مرا فاسق و مستمستم  
 و ظاهر من نگاه بسیار مکن    اندر باطن چنانمستمستم

\*

Десалар, майпара́ст — худди ўша мен,  
 Десалар, фосиқ, маст — худди ўша мен.  
 Сиртимга кўп боқма, ичимда ўзим —  
 Бўлсам баландми, паст — худди ўша мен.

\*

Говорят, что я пьянствовать вечно готов, — я таков,  
 Что я ринд и что иди́лов чгу, как богов, — я таков.  
 Каждый пусть полагает по-своему, спорить не буду.  
 Знаю лучше их сам про себя, я каков, — я таков.







تەڭدەپ بىر بوزنى ازغۇڭىز ۋە  
 ھەرگىز نىرۋ دىشمىڭىز راھىدە  
 كارىن ۋە توپرون زىدىتىڭىز  
 تەسلىم قىلماڭىز ۋە ئانا ئىن ۋە

\*

Токай қош чимиртар дунё ташвиши,  
 Муродга етказмас кўнгил ғиш-ғиши.  
 Сен, менинг ишимиз эркимиздамас,  
 Қазога кўникиш — донолар иши.

\*

Доколь из-за жизненных бед свои сокрушать сердца?  
 Ты ношу печали своей едва ль донесешь до конца.  
 Увы! Не в наших руках твои дела и мои,  
 И здесь покориться судьбе не лучше ль для мудреца?



این کهنه رباط را که عالم نامست وارا مگر ابلق صبح و شامست

بر نیست که وامانده صبر جمشید است قهر نیست که تیره گاه صبر بر است

\*

Бу кўп эски равог, олам унга ном,  
Тун-кун тулпорига бор бунда ором.  
Бу эски базм юзлаб Жамшиддан қолди,  
Бу гўрда ётади юз-юзлаб Баҳром.

\*

Наш мир — подобье старого рабата,  
Ночлежный дом рассвета и заката,  
Остатки пира после ста Джамшидов,  
Пещеры ста Бахрамов свод заклятый.



ساقى گل وسيزه بس طر بناک شده است    درياب که هفته دگر خاک شده است  
 مى نوش و گلې بچين که تا درنگرى    گل خاک شده است وسيزه هم پاک شده است

\*

Соқий, гулу кўкат ҳозир кўп қувноқ,  
 Билки, бир ҳафтада у бўлур тупроқ.  
 Май ич, гул тер, кўзни юмиб очгунча  
 Гул ерга тўкилур, қовжирар ўтлоқ.

\*

О кравчий! Цветы, что в долине пестрели,  
 От знойных лучей за неделю сгорели.  
 Пить будем, тюльпаны весенние рвать,  
 Пока не осыпались и не истлели.



این کهنه رباط را که عالم نامست      وارا مگر ابلق صبح و شامست  
 بزمیست که وامانده صیدمیشید      قهریست که گتیه گاه صیدمیشید

\*

Бу кўп эски равот, олам унга ном,  
 Тун-кун тулпориға бор бунда ором.  
 Бу эски базм юзлаб Жамшиддан қолди,  
 Бу гўрда ётади юз-юзлаб Баҳром.

\*

Наш мир — подобье старого рабата,  
 Ночлежный дом рассвета и заката,  
 Остатки пира после ста Джамшидов,  
 Пещеры ста Бахрамов свод заклятый.



استدرازل رانه تو دانی و من وین حرف معمانه تو خوانی و من  
 هست از پس پرده گفتگوی من تو چون پرده بر افشاند نه توانی و من

\*

Азал сиррин билолмасмиз на сену, на мен,  
 Бу жумбоқ, ҳал қилолмасмиз на сену, на мен.  
 Парда орқасида ахир бу ғувуримиз,  
 Парда кетару қолмасмиз на сену, на мен.

\*

Загадок вечности не разумеем — ни ты, ни я.  
 Прочесть письмен неясных не умеем — ни ты, ни я.  
 Мы спорим перед некою завесой. Но час пробьёт,  
 Падет завеса и не уцелеем — ни ты, ни я.



از آمدن و رفتن ماسودی کو      وز تار امید عمر ما پودی کو

چندین سدر و پای نازنینان جهان      میسوزد و خاک میشود دودی کو

\*

Келиб — кетмоқдамиз, қани наф — мазмун,  
Вужудимиз ўриш-арқоқсиз бутун.  
Қанча пок дилларни фалак оташи —  
Куйдириб, кул қилур, лек қани тутун.

\*

Где польза, что придем и вновь покинем свет?  
Куда уйдет уток основы наших лет?  
На лучших из людей упало пламя с неба,  
Испепелило их — и даже дыма нет.



ای کاش که جای آریب دن بوی      یاین ره دور رارسیدن بودی  
کاش از پی صد هزار سال از دل خاک      چون سبزه امید بر دمیسن بودی

\*

Кошки тинч жой топиб, кетиб бўлсайди,  
Ё бу узоқ йўлни ўтиб бўлсайди.  
Юз минг йилдан кейин орзу-умидлар  
Тупроқдан кўкатдек униб кулсайди.

\*

Неужто для отдыха места мы здесь не найдем?  
Иль вечно идти нескончаемым этим путем?  
О, если б надеяться, что через тысячи лет  
Из чрева земли мы опять, как трава, прорастем!



شادی مطلب که حاصل غمروم است      هر ذره ز خاک کیتبادی و جم است  
 احوال حجاب و بلکه گیتی یکسر      خوابی و خیالی و فیربی و دم است

\*

Шодлик истама, қўй, умринг бир дамдир,  
 Тупроқда ҳар зарра Кайқубод, Жамдир,  
 Жаҳону борлиқнинг иши бирйўла —  
 Уйқудир, хаёлдир, ҳийладир, ғамдир.

\*

Ты сердцу не ищи от жизни утоленья.  
 Где Джам и Кей-Кубад? Они — добыча тленья.  
 И вся вселенная и все дела земли —  
 Обманный сон, мираж и краткое мгновенье.



گر دیر من دلبریا قوت لب است      و آب خضر بجای آب عنب است  
 گرز بهره بود مطرب و همدم عیسی      چون دل نبودش ادویه جای طرب است

\*

Соқий, ёнда бўлса ёқут лаб санам,  
 Узум эмас, Хизр суви бўлса ҳам,  
 Зухро — мутриб, Исо бўлса-да ҳамдам,  
 Шодлик бўлмас, хотир бўлмас эса жам.

\*

Саки! Пусть любви удостоен я пери прелестной,  
 Пусть винную горечь заменят мне влагой небесной.  
 Пусть будет чангисткой Зухра, собеседник — Иса.  
 Коль сердце не радостно, то пировать неуместно.



سرشته به چو کان قضا همچون گوی      چپ میرو و راست میرو و چپ میروی  
 کان کس که ترا فکند اندر تنگ و پوی      او داند و او داند و او داند و او داند

Қазо чавғонида коптокдек нуқул  
 Чапу ўнг юмала, дема: номаъқул.  
 Сени юмалашга солган ким бўлса,  
 У билгай, у билгай, у билгай: ҳа, ул!

Човган судьбы, как мяч, тебя гоняет.  
 Беги проворней, — спор не помогает!  
 Куда? Зачем? — Не спрашивай, игрок  
 Все знает сам! Он знает, он-то знает!



از دفتر عمر بر گشودم فالی      ناگاه از سوز سینه صاحبیالی  
 برگفت خوش آنکسی که اندر بر او      یاریست چو ماهی به شبی چون سالی

\*

Умр дафтаридан фол очганда дил,  
 Хўрсиниб сўзлади бир куйган кўнгил:  
 Бахтлидир ул кимса — ой юзли ёри —  
 Бағрида бўлса-ю оқшоми бир йил.

\*

По книге бытия гадал я о судьбе.  
 Мудрец, скрывая скорбь душевную в себе,  
 Сказал: «С тобой — луна в ночи, как месяц долгой.  
 Блаженствуй с ней! Чего еще искать тебе?»



از حادثه زمان رانده مترس      وز هر چه رسد چو نیست پاینده مترس  
این یکدم نقد را بعشرت بگذار      وز رفتن میندیش ز آئنده مترس

\*

Ситамгар, ўткинчи даврондан қўрқма,  
Кўргилик ўтади жаҳондан, қўрқма.  
Ғам чекма, нақд умринг ишратда ўтказ,  
Нақ шундоқ келажак замондан қўрқма.

\*

Не бойся козней времени бегущего,  
Не вечны наши беды в круге сущего,  
Миг, данный нам, в веселье проводи,  
Не плачь о прошлом, не страшись грядущего.



ترسیم کرین بیش به عالم زسیم      باهمنفسان نیز فرسایم زسیم  
این دم که در اویم غنیمت شمیریم      شاید که بزنگی در آندم زسیم

\*

Келолмагач қайтиб ушбу оламга,  
Қўрқамен, етмасмиз ёру ҳамдамга.  
Бу дамни ғанимат ҳисоб этайлик,  
Балки етолмасмиз ҳатто шу дамга.

✱

Боюсь, что в этот мир мы вновь не попадем  
И там своих друзей — за гробом — не найдем.  
Давайте ж пировать в сей миг, пока мы живы.  
Быть может, миг пройдет — мы все навек уйдем.



زان می که حیات جاودانی است بخور      سرمای لذت جوانی است بخور  
سوزنده چو آتش است      لیکن غمرا      سازنده چو آب زندگانی است بخور

\*

Ичавер, май ичган мангулик яшар,  
Дунё лаззатининг барисин ошар.  
Май деган қайғуни оловдек ўртаб,  
Оби ҳаёт каби жўш уриб, тошар.

\*

Вот в чаше бессмертья вино, — выпей его!  
Веселье в нем растворено, — выпей его!  
Гортань, как огонь, обжигает, но горе смывает  
Живою водою оно, — выпей его!



چون نیست حقیقت یقین اندر است      نتوان بامید شک همه عمر نشست

آن تا ننهیم جام می از کف دست      در بخبری مردم چه بسیار چه مست

\*

Бўлмагач ҳақиқат қўлингда аён,  
Ўтмассен бутун умр кўнгилда гумон.  
Яхшиси май жомин қўлдан қўймайин,  
На масту на ҳушёр, бўлайлик шодон.

\*

Пусть в наших знаньях — изъян, в постулатах — обманы,  
Полно томиться, разгоним сомнений туманы!  
Лучше напомним широкую чашу вином,  
Выпьем и веселы будем — ни трезвы, ни пьяны,



نتوان دل شاد را بسم فرسودن      وقت خوش خود بنگ مَحنت سودن

کس غیب نداند که چه خواهد بودن      می باید و معشوق و بکام آسودن

\*

Дилингни ғам билан эзмаклик нечун.  
Хуш вақтинг айлама заҳматда дилхун.  
Ғайб сирин ким билсин, эрта не бўлур?  
Май ич, сев, орзуга етмоқлик учун.

\*

Зачем печалью сердечный мир отягчать?  
Зачем заботой счастливый день омрачать?  
Никто не знает, что нас потом ожидает.  
Здесь нужно все нам, что можем мы пожелать.



رو بر سر افلاک و جهان خاک انداز می بخور و دل با هرویان میبار

چه جای عتاب آمد و چه جای نیاز کز حمد و شکران یکی نماند باز

\*

Осмонда кез, майли кул бўлсин жаҳон,  
Май ич, гўзалларга бўлиб гиргиттон.  
Нима керак газаб ёки ёлвориш,  
Кетгандан келмади ҳеч ким, ҳеч қачон.

\*

С беспечным сердцем встречай рассвет и закат,  
Пей с луноликой, утешь и сердце, и взгляд.  
О друг, не время терзаться тщетной заботой,  
Ведь из ушедших никто не вернулся назад.



مقصود از جمله آفرینش ما یم در چشم خدو گوهر بنش ما یم  
 این دایره جهان چو انگشتری است بی هیچ شکلی نقش نگیش ما یم

\*

Дунёнинг тилаги, самари ҳам биз,  
 Ақл кўзин қораси — жавҳари ҳам биз.  
 Тўғарак жаҳонни узук деб билсак,  
 Шаксиз унинг кўзи — гавҳари ҳам биз.

\*

Конечно, цель всего творенья — мы,  
 Источник знания и прозренья — мы.  
 Круг мироздания подобен перстню,  
 Алмаз в том перстне без сомненья, — мы



گر باده خوری تو با خسر و مندان خور    یا با ضعیفی لاله رخنی خندان خور

بسیار مخمر و در مکن فاش مساز    اندک خور و که گاه خور و پنجهان خور

\*

Май ичсанг, оқилу доно билан ич,  
Ёки бир гул юзли зебо билан ич.  
Оз-оз ич, гоҳ-гоҳ ич ҳам яширин ич,  
Эзма, расво бўлма, ҳаё билан ич.

\*

Пей с мудрой старостью златоречивой,  
Пей с юностью улыбчиво-красивой.  
Пей, друг, но не кричи о том, что пьешь,  
Пей изредка и тайно — в миг счастливый.



بادلبرکی تازه تر از خرمن گل      از دست مده جام می و دامن گل  
زان پیشتر که گردد از باد اجل      پیراهن عمر با چوپایه این گل

\*

Ёнингда гулдан ҳам нозанин дилбар,  
Гулу майдан қўлинг узма сар-басар.  
Ажал ели билан умр кўйлаги  
Гулдайин бир йўла тўкилиб кетар.

\*

Ты жив, здоров, беспечен, пей пока  
С красавицей, как роза цветника,  
Покамест не сорвет дыханье смерти  
Твой краткий век подобьем лепестка.



برچسره گل نسیم نوروز خوشست در محن چین روی دل افروز خوشست  
از دی که گذشت هر چه گونی خوشست خوش باش و زدی مگر که امروز خوشست

\*

Гул узра кўкламнинг шабнами яхши,  
Чаманда юз очган ҳамдами яхши.  
Яхшимас кечаги кундан сўз очмоқ,  
Қувнаб қол, бу куннинг ҳар дами яхши.

\*

На розах блистанье росы новогодней прекрасно.  
Любимая — лучшее творенье господне — прекрасна.  
Жалеть ли минувшее, бранить ли его мудрецу?  
Забудем вчерашнее! Ведь наше Сегодня — прекрасно.



بیام و تب در امتحانم دارد    نا خوردن می قصد بکسانم دارد  
 دین طرفه نگر که همه چه در بیماری    جز باده خورم همه زیانم دارد

\*

Оғрикмен, иситма имтиҳон қилур.  
 Ичмасам, май менга қасди жон қилур.  
 Бу ажаб ишни кўр, бетоблигимда  
 Майдан бошқа нарса кўп зиён қилур.

\*

Я болен, духовный недуг мое тело томит,  
 Отказ от вина мне воистину смертью грозит.  
 И странно, что сколько я ни пил лекарств и бальзамов,—  
 Все вредно мне! Только одно лишь вино не вредит.



صدخانه زخواب دلم ویر نیست    وز گریه زاریم صد چنبد نیست  
از هر مژه نا و دان خونست روان    گرم مژه را بهم زغم طوفانست

\*

Юрагим қонидан юз хона вайрон.  
Уввос тортувимдан қўрқинч юз чандон.  
Ҳар бир кипригимда қон дарёси бор,  
Киприклар юмилса бошланур тўфон.

\*

Моей скорби кровавый ручей сотню башен бы снес,  
Десять тысяч строений подмыл бы поток моих слез.  
Не ресницы на веках моих — желоба дождевые,  
Коль ресницы сомкну — от потопа бежать бы пришлось.



ایزد چونخواست آنچه من خواسته‌ام      کی کرد و راست آنچه من خواسته‌ام  
 مگر جوابست که او خواسته‌است      پس جمله خطاست آنچه من خواسته‌ام

\*

Хоҳлаган ишимни хоҳламас худо.  
 Қачон истагимни айлабди бажо.  
 Унинг истаклари тўп-тўғри бўлса,  
 Менинг истакларим барчаси хато.

\*

Мне богом запрещено — то, что я пожелал,  
 Так сбудется ли оно — то, что я пожелал?  
 Коль праведно все, что Изед захотел справедливый,  
 Так значит, все ложно, грешно — то, что я пожелал.



آنکه محیط فضل و آداب شدند در کشف علوم شمع احباب شدند

روزین شب تاریک نبردند برون گفتند فسانه فی و در خواب شدند

\*

Билагонлар бор-ди, ўхшаш офтобга,  
Ҳар бири хазина илму одобга.  
Бу қоронғу тундан йўл топишолмай,  
Бирор афсона деб кетдилар хобга.

\*

Те, что украсили познания небосклон,  
Взойдя светилами для мира и времен,  
Не расточили тьму глубокой этой ночи,  
Сказали сказку нам и погрузились в сон.



آنکس که زمین و چرخ و افلاک نهاد  
بس داغ که بر این دل غمناک نهاد

بسیار لب لعل و شش و روی چو ماه  
در زیر زمین و حق خاک نهاد

\*

Улким жаҳон тузди, чарх-афлок тузди,  
Кўнгилга доғ солди, ҳам чок-чок тузди,  
Жуда кўп ёқут лаб, ой юзлиларни  
Ер ичра жо қилди, бир кафт хок тузди.

\*

Тот, кто землю поставил и над нею воздвиг небосклон,  
Сколько горя с тех пор он печальному сердцу несет.  
Сколько ликов прекрасных, как луны, и уст, как рубины,  
Скрыл он в капище праха земного, под каменный гнет.



امروز ترا دوست تر سرفروانیت  
وندیشه فسادات بحر سودانیت

ضایع مکن ایندم اردولت شیدا  
کاین باقی عمر را بجا پیدانیت

\*

Ўз эркингда эмас, ахир, эрта кун.  
Эргангни кўп ўйлаб бўлма жигархун.  
Бу дамни бекорга кетказма асло,  
Билиб қўй, дунёга бўлмайсан устун.

\*

Ты сегодня не властен над завтрашним днем,  
Твои замыслы завтра развеются сном!  
Ты сегодня живи, если ты не безумен.  
Ты — не вечен, как все в этом мире земном.



یک قطره آب بود بادریاشد یک ذره خاک بازمین یکتاشد  
آمدن تو اندرین عالم چیست آمد کسی پدید و ناپیداشد

\*

Томчи сув дарёда йўқ бўлиб кетди,  
Ерга чанг кўнди-ю, кўмилиб кетди.  
Дунёга келишинг, кетишинг нима?  
Бир чивин туғилди ё ўлиб кетди.

\*

Малая капля вод слилась с волною морской.  
Малая горстка земли смешалась с перстью земной.  
Что твой приход в этот мир и что твой уход означает?  
Где эта вся мошкара, что толклась и звенела весной?



گر چند که از گناه بد بختم و زشت  
 نوید نیم چوبت پرستان کشت  
 میرم چون سحر ز محموری باز  
 می خواهم و عشقه ز مسجد ز کشت

\*

Бадбахтмен, гуноҳдан ҳеч қутулмадим,  
 Аммо ўтпарастдек ноумид бўлмадим.  
 Тонг чоғи ўларсам бош оғриғидан,  
 Маю маъшук керак, жаннат демадим.

\*

Хоть грешен и несчастен, я, хоть мерзостен себе я сам,  
 Но не отчаиваюсь я, в кумирню не бегу к богам,  
 С похмелья полумертв с утра — встаю, иду я, акк вчера,  
 К красавицам, в питейный дом, а не в мечеть, не  
 в божий храм!



ای دوست بیاتاغسم فردا نخوریم این یکدم غم را غنیمت بشمریم  
 فردا که ازین دیر فنا در گذریم با هفت هزار سالگان بسریم

\*

Эй дўст, халос бўлайлик эрталиқ ғамдан.  
 Нақд деб баҳра олайлик ғанимат дамдан.  
 Етти минг йилгилар билан тенгмиз-да —  
 Эртага кетсак бу кўҳна оламдан.

\*

Друг, не тужи о том, чего уж нет,  
 Нам светит дня сегодняшнего свет.  
 Всем завтра предстоит нам путь безвестный.  
 Вослед ушедшим за семь тысяч лет.



آنرا که وقوف است بر اهرار جهان شادی و غم و رنج بر او شد یکسان

چون نیک و بد جهان بسر خواهد شد خوابی همه درویش و غواهی دروان

\*

Кимга маълум бўлса жаҳоннинг сирин,  
Қувончу ҳам фарқсиз биридан-бири,  
Чунки ўтмай қолмас яхши ҳам ёмон  
Хоҳ бари дард бўлсин, хоҳ дармон бари.

\*

Для тех, кому познание тайн дано,  
И радость, и печаль — не все ль равно?  
Но коль добро и зло пройдут бесследно,  
Плачь, если хочешь, или пей вино.



من بادہ بچام یک منی خواہم کرد خود را بدورِ سِل می غنی خواہم کرد  
 اول سے طلاق عقل و دین خواہم داد پس دخترِ زراہر نے خواہم کرد

\*

Бир ботмон бодани бир жомга солсам,  
 Икки жом май билан бой бўла қолсам.  
 Аввал ақлу диним қилиб уч талоқ,  
 Сўнгра ток қизига уйланиб олсам.

\*

Мы чашей весом в ман печаль сердец убьем.  
 Обогадим себя кувшинами с вином.  
 Трикраты дав развод сознанью, знанью, вере,  
 На дочери лозы мы женимся потом.



این قافلہ غم عجیب میگذرد دریاب دمی که با طرب میگذرد

ساقی غم فرمای حریفان چه خوری پیش آری پیاله را که شب میگذرد

\*

Утиб борар ажиб умр карвони  
Кўлингдан чиқмасин шодлик замони.  
Соқи, эрта куннинг гамин емагил,  
Қадаҳ сун! Ўтмасин туннинг бир они.

\*

Как странно жизни караван проходит.  
Блажен, кто путь свой — весел, пьян проходит.  
Зачем гадать о будущем, саки?  
Дай мне вина! Ночной туман проходит!







خوشیدکنده صبح بر بام افکند  
 کینچه در دوزخه در جام افکند  
 می خور که ندای عشق به کام رسد  
 آوازه ایشووا در ایام افکند

\*

Офтоб тонг камандин туширди томга,  
 Кундуз шоҳи муҳра солмишдур жомга.  
 Май ич, ишқ нидоси саҳар пайтида  
 «Ишрабу...» овозин ёйди айёмга.

\*

В воздух бросило солнце блистающий утра аркан,  
 И над шариком в чаше раздумьем Хосров обуян.  
 Пей вино! Это клики любви во вселенной безмерной  
 Отзываются откликом: «Пей же, пока ты не пьян».



ای مفتی شہر از تو پر کارتریم      با اینجہ مستی ز تو ہشیارتریم

ماخون رزان خوریم و تو خون کسان      انصاف بدہ کدام خونخوارتریم

\*

Муфти, сендан кўра пуркорроқдирмиз,  
Ўта маст бўлсак ҳам ҳушёрроқдирмиз.  
Биз ток қонин ичамиз, сен одам қонин,  
Инсоф қил, қайсимиз хунхорроқдирмиз.

\*

Эй, муфтий, погляди... Мы умней и дельнес, чем ты.  
Как с утра мы ни пьяны, мы все же трезвее, чем ты.  
Кровь лозы виноградной мы пьем, ты же кровь своих  
ближних;  
Сам суди — кто из нас кровожадней и злее, чем ты.



تاپچندرين حيله و زراقي غم  
تاپچندرا درد و ديد ساقی غم  
خواهم که ز دست حيله و خدو او  
چون خبره بنجاک ريزم اين باقی غم

\*

Токай ҳийлагар умр солар тузоққа,  
Токай май лойқасин тутар дудоққа.  
Ҳийласи дастидан қолган умримни  
Бир қултум май каби сочай тупроққа.

\*

Доколь мне в обмане жить, как в тумане бродить?  
Доколь мне, о жизнь, осадки мутные пить?  
Наскучила мне твоя хитрость, саки вероломный,  
И жизнь я готов, как из чаши остатки, пролить.



یاری که دلم ز بهر او زار شدست      او جای دگر بغضم گرفتار شدست

من در طلب داروی خود چون کوشتم      چون آنکه طبیب هست بیمار شدست

\*

Дилим бўлган эди битта ёрга зор,  
У ўзга бир ерда ғамга гирифтор.  
Мен ундан ўзимга дору изласам,  
Нетай, табибимнинг ўзи ҳам бемор.

\*

Любимая, чьим взглядом сердце ранено,  
Сама петлею горя заарканена.  
Где я найду бальзам, когда сознание  
Целительницы нашей отуманено?



يک جرعه می ز ملک قابوس به است      وز تخت قباد و سزندطوس به است  
 مه آه که عاشق سحر گاه کشد      از ناله زاهدان سالوس به است

\*

Бир қултум май — мулки Қобусдан яхши,  
 Қубод пойтахти — у Тусдан яхши.  
 Ошиқлар саҳар пайт чеккан ҳар бир оҳ  
 Зоҳиддаги сохта товушдан яхши.

\*

Чаша вина мне дороже державы Кавуса,  
 Трона Кубада и славы отважного Туса.  
 Стоны влюбленных, что слышатся мне на рассвете,  
 Выше молитв и отшельнического искуса.



اندیشه عمر پیش از شصت من      هر جا که قدم نهی بجز نیست  
زان پیش که کاره سرت کوزه کنند      تو کوزه زدوش و کاره از دست من

\*

Олтмишдан ортиқ умр истама ҳеч ҳам,  
Маст бўлмай бир ерга ташлама қадам.  
Кўза қилишмасдан бошинг косасин,  
Кўза қуч, косани ушлагил маҳкам.

\*

Ты не мечтай перевалить за шесть десятков лет.  
Так пусть же пьяным застаёт всегда тебя рассвет.  
Пока из головы твоей не сделали кувшин,  
Кувшину с чашей дай любви и верности обет.



زان پیش که از زمانه تابی بخوریم      بایکدگر امروز شربابی بخوریم  
 کاین چرخ فلک بگناه رفتن مارا      چندان ندیده امان که آبی بخوریم

\*

Бошга чарх кулфати тушмасдин ҳали,  
 Келингиз, қўр тўкиб, шароб ичгали.  
 Бу фалак, дунёдан ўтар чоғимиз —  
 Қўймайди бир томчи сув ҳам ютгали.

\*

Пред тем, как испытать превратности сполна,  
 Давай-ка разопьем сегодня ратль вина.  
 Что завтра нам сулит вращенье небосвода?  
 Быть может, и вода не будет нам дана.



بسیار گشتیم کرد و داشت      گشتن مان کار هر نیک گشت  
 در ناخوشی زمانه باری غم      گر خوش گذشت باری خوش بگذشت

\*

Ўру қир айландик, хўп кездик олам,  
 Ишимиз ўринлаб тузалмади ҳам.  
 Ноқулай замонда ўтган умримиз,  
 Яхши ўтмаса ҳам ўтолди кам-кам.

\*

Мой дух скитаньями пресытился вполне,  
 Но денег у меня, как прежде, нет в казне.  
 Я не ропщу на жизнь. Хоть трудно приходилось,  
 Вино и красота все ж улыбались мне.



ای گشته شبانروز بدیناگران      وندیش نکرده هیچ از روزگران  
آخه بخود آئی و نیک بگریکدم      کایام چگونه میکنند با دیگران

=

Эй тун-кун дунёга кўз тиккан киши,  
Ақлингни жўймасин дунё ташвиши.  
Ахир эсингни йиғ, ҳушёрроқ бир боқ,  
Недир бошқаларга унинг қилмиши.

\*

Ты ради благ мирских сгубил земные дни,  
Но вспомни День Суда, на жизнь свою взгляни.  
Ведь многих до тебя стяжание сгубило.  
И что постигло их? Где теперь они?



آنکوستری ز عقل بر دل بنگاشت یک لحظه ز عمر خویش ضایع نگذاشت

یا در طلب خنای ایندو کوشید یا راحت خودگزید و ساغر برداشت

\*

Кимдаки ақлдан бирон сатр бор,  
Умрин бир лаҳзасин ўтказмас бекор,  
Ё худо карамин истаб ўтади,  
Ё роҳатин кўзлаб, май ичар бисёр.

\*

Кто слова разума на сердце начертал,  
Тот ни мгновения напрасно не терял,  
Он милость Вечного снискать трудом старался  
Или покой души за чашей обретал.



پاک از عدم آمدیم و ناپاک شدیم      شادان بدر آمدیم و غمناک شدیم  
 بودیم ز آب دیده در آتش دل      دادیم بیا و غم و در خاک شدیم

\*

Йўқликдан пок келиб, нопок бўлдик биз,  
 Шўху қувноқ келиб, ғамнок бўлдик биз,  
 Кўзимиз тўла ёш, юракда слов,  
 Умр елга кетди ҳам хок бўлдик биз.

\*

Мы чистыми пришли и осквернились,  
 Мы радостью цвели и огорчились.  
 Сердца сожгли слезами, жизнь напрасно  
 Растратили и под землею скрылись.



غرشید پهری زوالی عشق است مرغ چمن خسته فانی عشق است  
عشق آن نبود که همسپوز بل نالی هر که کیمیسری و نالی عشق است

\*

Ишқдир абадийлик авжида офтоб,  
Ҳаёт чаманида толедан хитоб,  
Булбул каби нола қилмоқ ишқ эмас,  
Ишқ-нола қилмаслик бўлсанг юз хароб.

\*

Солнце пламенного небосклона — это любовь.  
Птица счастья средь чаши зеленой — это любовь.  
Нет, любовь не рыдания, не слезы, не стон соловья,  
Вот когда умираешь без стога, — это любовь.



درد هر کسی بگلو زاری نرسید      تا بدوشش آن زمانه خاری نرسید  
 در شاه نگر که تا بعد شایخ نشد      و پیشش بس زلف نگاری نرسید

\*

Гул юз ёр ҳеч кимга насиб этмас экан,  
 То унинг дилига санчилмай тикан.  
 Тароққа назар сол, ёрнинг сочиға —  
 Етгунча юз бўлак бағри тилинган.

\*

Никто не соединился с возлюбленной своей,  
 Пока не изранил сердце шипами, как соловей.  
 Пока черепаховый гребень на сотню зубцов не расщеплен,  
 Он тоже не волен коснуться твоих благовонных кудрей.



من هیچ ندانم که مرا آنگه سرشت از اهل بهشت کرد یا دوزخ زشت

جای دوتی و بریطی بر لب کشت این هر سه مرا نقد و ترانی بهشت

\*

Билмадим, қорилган чоғида лойим,  
Жаннатми, дўзахдан аталган жойим.  
Менга нақд бўлса бас ёр, чолғу, шароб,  
Нася жаннат сенга бўлсин ҳар дойим.

\*

Я из рая или ада пришел, — сам не знаю я о себе.  
Я такой живу, как я есть, — так угодно было судьбе.  
Полный кубок, кумир и барбат на цветущем лугу  
у ручья:  
Эти три — наличными мне, рай обещанный — в долг тебе.



گفتم که دیگر باوه گلگون نخورم      می خون رزان است دیگر خون نخورم  
 پیسرخوردم گفت که چه میگوئی      گفتم که مزاج مینکنم چون نخورم

Дедим: Энди майи гулгун ичмайман,  
 Май — ток қони, энди мен хун ичмайман,  
 Кекса ақлим айтди: Шу гапинг ростми?  
 Дедим: Ҳазиллашдим, нечун ичмайман?!

Сказал я сам себе: вина я пить не буду,  
 Кровь виноградных лоз теперь я лить не буду.  
 «Ты впрямь решил не пить?» — спросил меня рассудок,  
 А я: «Как мне не пить? Тогда я жить не буду».



زینخسار مرا از جام می قوت کنید      وین چغندر کمر با چو قوت کنید  
چون در گذرم بمی بشوئید مرا      وز چوب زبان نخه تا بوت کنید

\*

Хўрагимни май-ла тўкис — бут қилинг,  
Каҳрабо юзимни нақ ёқут қилинг.  
Жаҳондан кўз юмсам, шаробга ювиб,  
Ток зангидан менга бир тобут қилинг.

\*

Вновь меня чистым вином, о друзья, напоите,  
Розы весны пожелтевшим ланитам верните.  
В день моей смерти вы прах мой омойте вином,  
Из виноградной лозы мне табут смастерите.



بامانېرځي بر لب جوى وىل و وړو      تا هست ميسرم طرب خواهم كرد  
 تابوده ام و مستم و خواهم بودن      مى خورده ام و ميخورم و خواهم خورد

\*

Кувончлар йўлини тутиб ҳар қандай  
 Қирғоқда ёр ила ичсанг тоза май,  
 Бор бўлдим, бордирман — то бор бўламан,  
 Май ичдим, ичяпман, ҳар доим ичай.

\*

Вином и пери счастье мне дано.  
 Пусть будет сердце радостью полно.  
 Всегда, пока я был, и есть, и буду,  
 Я пил, и пью, и буду пить вино.



بىخيز سېادامىن گل چاڭ شە ۋىل زىجىمال گل سېرىناڭ شە  
 دىسايە گل ئىشىن كېسېداشكىل دىر خاڭ فىرورىز دىماخاڭ شە

\*

Сабодан бўлибди гул ёқаси чок,  
 Гул юзидан булбул бўлмиш тарабнок.  
 Гул тагида ўтир, чунки жуда тез  
 Гул ерга тўкилур, биз бўлурмиз хок.

\*

Вновь распускаются розы под утренним ветерком  
 И соловьиною песней все огласилось кругом.  
 Сядем под розовой сенью! Будут, как нынче,  
 Их лепестки осыпаться, когда мы в могилу сойдем.



خیت نام زمانه از کسی دارد تنگ کور غم ایام نشیند و تنگ  
می خور تو در آب گیت بهانه چنگ زان پیش که آبجینه آید بر سنگ

\*

Ким кунлар ғамидан дилин қилур қон,  
Хайём, ул одамдан уялур замон.  
Шишанг тошга тегиб синмасдан бурун  
Шишада май ичгил, соз чалиб нолон.

\*

Хайям, судьба сама бы устыдилась  
Того, чья грудь тщетою сокрушилась.  
Так пей под чанг вино из полной чаши,  
Пока о камень чаша не разбилась.



یاران چو باتفاق میعاد کنید      خود را بحال یکدگر نشاود کنید

ساقی چو می منسانه برف گیرد      پیچاره مرا هم بدعا یاد کنید

\*

Дўстлар иноқликда бўлингиз обод,  
Тез-тез дийдор кўриб, этинг ўзни шод.  
Соқи тоза майни сузганда айланг —  
Мен бечорани ҳам дуо бирла ёд!

✱

Когда опять вы в погребок укромный постучите,  
Вы лучезрением друзей сердца развеселите,  
Когда саки вас угостит пьянящей влагой магов,  
Вы добрым словом и меня, беднягу, помяните.



باتو بخرابات اگر گویم راز  
 به زانکه کنم بی تو به محراب نماز  
 ای اول وای آخر جز تو همه هیچ  
 خواهی تو مرا بسوز، خواهی بنواز

\*

Сенсиз ўқигандан меҳробда намоз,  
 Майхонада сенга сир айтганим соз.  
 Аввал — сен, охир — сен, сенсиз бари пуч,  
 Майли ўтга ташла ё айла навоз.

\*

Если тайну среди трущоб я открою тебе, любя,  
 Это лучше пустых молитв, пусть в михрабе, но без тебя,  
 Ты — конец и начало всего, без тебя и нет ничего,  
 Хочешь — сам меня одари иль сожги, навек истребя.



ایرتق می مرا شکستی ز بقی      بر من در عیش را بستت ز بی  
بر خاک بر نیختی می گلگون را      خاکم بدین مگر که مستی ز بی

\*

Кўзамни синдириб, ирғитдинг, тангри,  
Хуррамлик эшигин беркитдинг, тангри,  
Тупроққа тўкдинг-ку гулгун майимни,  
Билмадим, мастмисен, на этдинг, тангри.

\*

Ты мой кувшин с вином разбил, о господи!  
Ты дверь отрады мне закрыл, о господи!  
Ты пролил на землю вино пурпурное...  
Беда мне! Иль пьян ты был, о господи?



این کاسه گری که کاسه شسته را کرد در کاسه گری صنعت خود پیدا کرد

بر خوان وجود مانگون کاسه نهاد و آن کاسه سرنگون یراز سودا کرد

\*

Улким, бош косасин бино қилибдур,  
Косагар санъатин пайдо қилибдур.  
Бош косасин вужуд дастурхонига  
Тўнтариб, лиқ тўла савдо қилибдур.

\*

Тот гончар, что, как чаши, у нас черепа округлил,  
Впрямь искусство в гончарном своем ремесле проявил.  
Над широкой суфрой бытия опрокинул он чашу  
И всю горечь вселенной под чашею той заключил.



گردون ز زمين هیچ گلې برنار و      کښن شکند و هم زمين نسپارد

گر ابر چو آب خاک را بردارد      تاشه یم خون عزیزان بارد

\*

Ердан бирон гулни ундирмас осмон,  
То уни қилмасин тупроққа яксон.  
Тупроқ булут бўлиб кўкка ўрласа,  
Қиёмат кунгача ёғар эди қон.

\*

Взрастит ли розу в мире небосвод,  
Что после зноем полдня не сожжет?  
Когда б копился в тучах прах погибших,  
То дождь кровавый падал бы с высот.



گر باد به بکوه بروی رقص کند      ناقص بود انگ باد را نقص کند  
 هرگز نگویم ز باد من توبه از انگ      چیزی است که او تربیت شخص کند

\*

Майни тоққа берсанг, тоғ ҳам рақс этар,  
 Ёмонлар ёмонлаб уни наҳс этар.  
 Майдан асти тавба қилмайман, зеро,  
 Май тарбия берар, шахсни шахс этар.

\*

Ты дай вина горе — гора пошла бы в пляс.  
 Пусть карой за вино глупец пугает вас,  
 Я в том, что пью вино, вовеки не раскаюсь,  
 Ведь мысль и дух оно воспитывает в нас.



بردار پیاله و سبوی ای دلجوی      برگرد بگرد سبزه زار و لب جوی

کاین چرخ بسی سرو قدان مهری      صد بار پیاله کرده صد بار سبوی

\*

Kūza-yu, kosangni kūtar, Эй дилдор,  
Kūkaḷam suv būyi, salqin joiḡa bor.  
Бу чарх kūp sarv qad, ой юзлиларни  
Гоҳ kūza, гоҳ коса қилмиш неча бор.

\*

Подыми пиалу и кувшин ты, о свет моих глаз,  
И кружись на лугу у ручья в этот радостный час,  
Ибо многих гончар-небосвод луноликих и стройных  
Сотни раз превратил в пиалу, и в кувшин — сотни раз.



بر سنگ زوم دوش سبوی کاشی      سرست بُدم چو کردم این اوباشی

با من بزبان حال یگفت سبوی      من چون تو بُدم تو نیز چون من باشی

\*

Мастдим, тошга урдим кўзамни бир кун,  
Ул кўнгил тилидан чиқарди бир ун:  
Мен ҳам сендек эдим, сен ҳам охири  
Бўлурсан менингдек — ранжитмоқ нечун!

✱

Вчера раскрошил я о камень кувшин обливной.  
Был пьяным, свершил я поступок нелепый такой.  
Кувшин прошептал мне: «Тебе я был прежде подобен,  
Не стало б того же с тобою, что стало со мной!»



ای آنکه ز کنه تو خُشرداگه کی      وز طاعت و از معصیتیم مستغنی

مستم ز کناه و از رجا بشیdam      امید بر رحمت تو دارم یعنی

\*

Бор-йўғингдан ақлим эмас хабардор,  
Тоат — исёнимга эмассан ҳам зор,  
Гуноҳдан мастману, лутфингдан хушёр,  
Яъни раҳматингдан доим умидвор.

\*

Разум смертных не знает, в чем суть твоего бытия,  
Что тебе непокорность моя и покорность моя?  
Опьяненный своими грехами, я трезв в упование,  
Это значит: я верю, что милость безмерна твоя.



این اہل قبور خاک گشتند و غبار  
 ہر ذرہ زرہ گشتند کنار  
 آہ این چه شرابست کہ تار و ز شمار  
 بخود شدہ و بی خبرند از ہمہ کار

\*

Бу қабрдагилар бўлмишлар тупроқ.  
 Зарра-зарра бўлиб ётишар тарқоқ.  
 Оҳ, бу қандай шароб, уни ичганлар  
 Қиёматга қадар эс-ҳушдан авлоқ.

\*

Жильцы немых гробниц, забытые в веках,  
 Давно рассыпались и превратились в прах.  
 Чем напились они, чтоб так до Киемата  
 Проспать без памяти, забыв о двух мирах?



در بزم خمر عقل و لیلی سرگفت      در روم و عرب میهنه و میسرگفت  
 گرگفت کسی که ناسره باشد می      من کی شنوم چونکه خدای سرگفت

\*

Далил топдим ақлим қайнаган онда,  
 Румдами, арабда, ҳамма томонда —  
 Май ҳаром десалар, ишонмайман ҳеч,  
 «Майсара...» деган-ку худо қуръонда.

\*

На пиру рассудка разум мне всегда гласит одно,  
 Хоть в Аравии и Руме разнотолк идет давно:  
 «Пить вино грешно; но имя благодати — Майсара.  
 Майсара, — сказал создатель, — это значит: пей вино».



زنجیر کنون که میتوانی باری      بر دوازده خاطر عزیز باری  
 کاین مملکت حسن نماذج بساوید      از دست تو هم برون شود یک باری

\*

Бу кун келар экан қўлингдан, зинҳор,  
 Азизлар хотирин шод эт, э дилдор.  
 Ҳуснинг салтанати турмас абадий.  
 Тўсатдан қўлингдан кетиши ҳам бор.

\*

Теперь, когда ты волен, встань, поди,  
 На светлый пир любовь свою веди.  
 Ведь это царство красоты не вечно,  
 Кто знает, что там будет впереди?



وقت سحر است خیز ای طرفیهر      پر باد لعل کن بلورین شاعر

کاین یکدم غایت در این گنج فنا      سید ریحونی و نیابی دیگر

\*

Шўх йигит, ўрнингдан тургил тонг-саҳар,  
Еқут майга тўлдир биллурун соғар.  
Ҳар дам омонатдир, ўтиб кетар тез,  
Сўнг қанча қидирсанг топмассен хабар.

\*

Встань, милый отрок мой, рассвет блеснул лучом.  
Наполни чаши кристалл рубиновым вином.  
Нам время малое дано в юдоли брэнной.  
То, что уйдет навек, мы больше не вернем.







می لعل مذاب است و مرا می گفست      جسم است پیاله و شرابش جاست  
آن جام بپوین که ز می خند نیست      اشکی است که خون دل درونجاست

\*

Май балқиган ёқут, кўзаси қондур,  
Қадаҳи бадану шароби жондур.  
Биллури бу қадаҳ майдан хандондур,  
Кўз ёшдир, дил қони унда пинҳондур.

\*

Вино — прозрачный рубин, а кувшин — родник.  
Фиал — это плоть, а вино в нем — души родник,  
В хрустальной чаше искрится вино огневое,  
То — ливень слез, что из крови гроздий возник.



دلبرده که عمرش چو غم باد دراز      امروز تلطفی زنو کرد آغ از  
 چشم من انداخت دی چشم و برت      یعنی که کنونی کن و در آب انداز

\*

Қайғумдек узоқ умр кўрсин у ғазол,  
 Букун яна лутфдан кўрсатиб жамол,  
 Кўзимга бир нигоҳ ташлади кетди,  
 Яъни — «Яхшиликни қил, дарёга сол».

\*

Возлюбленная, да будет жизнь твоя дольше моей  
 печали!  
 Сегодня милость явила мне, как прежде когда-то,  
 вначале.  
 Бросила взгляд на меня и ушла, как будто сказать  
 хотела:  
 «Сделай добро и брось в поток, чтобы людям волны  
 умчали».



من بادہ خورم ولیک مستی نکم  
 الآبہ قدح دراز دستی نکم  
 دانی غرضم زمی پرستی چه بود  
 تامن چوتو خوشیستن پرستی نکم

\*

Май ичамен, мастлик қилмаймен асло,  
 Қадаҳдан ўзгача бўлмайман бало.  
 Бода ичишликдан менинг ғаразим —  
 Ўзимга сен каби қўймаслик бино.

\*

Я пью вино, но я не раб тщеты.  
 За чашей помысли мои чисты.  
 В чем смысл и сила поклоненья чаше?  
 Не поклоняюсь я себе, как ты.



ساقی که لبش مُفَرَح یاقوت است دل را غم او قوت و جان را قوت است

هر کس که نشد کشته به طوفان غمش در کشتی نوح زنده در مابوت است

\*

Соқи лабларидан ранг олмиш ёқут,  
Ғами дилга қувват, жонга берар қут,  
Ишқи тўфонида қим ғарқ бўлмади,  
Гўё Нух кемаси унга бир тобут.

\*

Ты, кравчий, озарил мою судьбу,  
Ты — свет влюбленому, а не рабу.  
А тот, кто не погиб в потоке горя,  
Живет в ковчеге Ноя, как в гробу.



دکار که کوزه گری رستم دوش دیدم دوهزار کوزه گویا و خموش

ناگاه یکی کوزه بر آورد و خموش کو کوزه کرد و کوزه خر و کوزه فروش

\*

Кулол дўконига ташладим назар,  
Икки мингча кўза жим суҳбат қурар:  
— Қайсимиз сотувчи, — деди бир кўза, —  
Қайсимиз олувчи, қани кўзагар?

\*

В горшечный ряд зашел я на базар,  
Там был гончарный выставлен товар.  
И вдруг один кувшин глаголом тайным  
Спросил: «Где покупатель? Где гончар?»



ما افسر خان و تاج کی بفروشم  
 دستار صوب بانگ فی بفروشم  
 تسبیح کہ یک شکر تزویر است  
 ناگاہ بیک پیالہ می بفروشم

\*

Сотардик хон тахти, тожи Қай бўлса,  
 Салла, чопонни ҳам, агар най бўлса,  
 Фирибнинг лашкари бўлган тасбеҳни  
 Бирдан сотар эдик қултум май бўлса.

\*

Что мне троны султанов? Что мне их дворцы и казна?  
 Не нужна мне чалма из касаба, мне флейта нужна!  
 Звук молитвенных четок — посланников рати обмана —  
 Отдаю я сполна за вечернюю чашу вина.



مست به میخانه گذردم و دوش پیری دیدم مست و سبونی بردوش  
گفتم که چرا نداری از یزدان شرم گفتا که کریم هست خدا باده بنوش

\*

Мастона йўл олдим майхона томон,  
Кўза кучган маст чол бўлди намоён.  
Дедим: Уялмайсан худодан нечун?  
Ул деди: Ичавер, худо меҳрибон?

\*

Вчера, хмельной, я шел в кабак по городским руинам;  
И пьяный старец в майхане мне встретился с кувшином.  
Сказал я: «Бога постыдись. Подумай о душе!»  
А он: «Бог милостив! Садись! И выпить помоги нам».



آب رنج نوحه رس ز پاکی میر  
 جز خون دل تائب ناپاک میر  
 خون دوش از تائب بی معنی  
 برخاک بریز خسر برخاک میر

\*

Юз шабнамин тўкма, ток — бир келиндай,  
 Иркитлар қонини тўкавер, қўрқмай,  
 Икки минг бемаъни қонин тўксанг ҳам,  
 Тўкмагил тупроққа бирор қултум май.

✽

Не порочь лозы-невесты непорочной виноградской,  
 Над ханжою злой насмешкой насмехайся беспощадно.  
 Кровь двух тысяч лицемеров ты пролей — в том нет  
 греха,  
 Но, цедя вино из хума, не разлей струи отрадной.



دېرېږه اسرار كسى راره نيت      زېن تعبیه جان پچكس اگ نيت  
خسزورول خاك هېچ ننگه نيت      مى خور كه چنين فسانه ناكوت نيت

\*

Сирлар пардасига йўл йўқ ҳеч қандоқ,  
Ҳеч ким ечган эмас — бу чигал жумбоқ.  
Бизларга бирдан-бир манзилдир тупроқ,  
Май ич, бу эртаклар узундан-узоқ.

\*

За завесу тайн людям нет пути,  
Нам неведом срок в дальний путь идти,  
Всех один конец ждет нас... Пей вино!  
Будет сказку мир без конца вести!



ای بادہ تو معشوقِ من شیدائی      من میخورم و نترسم از رسوائی  
چندان خوری کہ ہر کہ بیند گوید      ای خُم شراب از کجا میسائی

Э май, сен маъшуқа, мен сенга шайдо,  
Ичаман, қўрқмайман бўлишдан расво.  
Майни шундай ички, кўрганлар десин:  
— Э май хуми, қайдан бўлмишсан пайдо?

\*

Безумец я, влюблен в вино, ну что ж:  
Позора не страшись, пока ты пьешь.  
Так много пил я, что прохожий спросит:  
«Эй, винный жбан, откуда ты бредешь?»



تنگ است بنام نیک مشهور شدن عار است ز جور چرخ رنجور شدن

خمار بوی آب انگور شدن بزدانکه بزید خویش مغرور شدن

\*

Уятдир танилсанг, чиқса яхши от.  
Дунёдан ранжимоқ жуда ҳам уёт.  
Художўй бўлдим деб кеккаймагилу  
Узумнинг сувига тўю, учиб ёт.

\*

Сегодня имя доброе — позор,  
Насилием судьбы терзаться — вздор!  
Нет, лучше пьяным быть, чем, став аскетом,  
В неведомое устремлять свой взор.



گویند مرا که می تو کمت سر غور از این      آخر چه عذر بر نداری سر از این

عذر من رخ یار و باد و صبحدم است      انصاف بد چه عذر روشنی از این

\*

Дейдилар: Шаробни бундан камроқ ич,  
Узринг не, улфатинг — ичку эрта-кеч.  
Узрим, ёр юзи-ю, сахар бодаси,  
Иисоф қил, бундан чўнг узр бўлурми ҳеч.

✱

Вы мне говорите: «Ты хоть меньше пей!  
В чем причина страсти пагубной твоей?»  
Лик подруги милой, утренняя чаша —  
Вот в чем вся причина, нет причин важней.



من ظاهرى پىستى و هستى داتم      من باطن هر فسادى پىستى داتم  
 باينده از دانش خود شرم باد      گر تر بى وراى مستى داتم

\*

Бор-йўқнинг зоҳири — юзини билдим,  
 Баланд-паст илдизи — изини билдим.  
 Мансаб деб мастликнинг ўзин билмасам,  
 Билимим ҳайф кетсин, ўзини билдим.

\*

Я знаю всю зримую суть бытия и небытия.  
 Все тайны вершин и низин постигла душа моя.  
 Но я от всего отрекись и знаний своих устыжусь,  
 Коль миг протрезвления один за век свой припомню я.



جامی است که عقل آفرین تمیزندش      صد بوسه ز محضر حسین میزندش

این کوزه گرد و سرخسین جام لطیف      می سازد و باز بر زمین میزندش

\*

Бу жомни кўрганлар офарин дейди,  
Юз марта манглайин ўпиб ким тўйди?  
Фалак кулолининг қилмишига боқ,  
Нозик жом ясади, синдирди — қўйди.

\*

Чудо-чаша. Бессмертный мой дух восхваляет ее  
И стрократно в чело умиленно лобзает ее.  
Почему же художник-гончар эту дивную чашу,  
Не успев изваять, сам потом разбивает ее?



زان پیش که غمهاست شیعون آرد      برگوی بتانی گلگون آرد

توزر نمی ای غافل نادان که ترا      در خاک نهند و باز بیرون آرد

\*

То ғам бошимизга солғунча ғавғо,  
Айтгил, май берсинлар бизга бебаҳо.  
Олтин эмассан-ку, билиб қўй, нодон,  
Қўмгач қайта ковлаб олмаслар асло.

\*

Пока с тобой весна, здоровье и любовь,  
Пусть нам дадут вина — багряной грозди кровь.  
Ведь ты не золото! Тебя, глупец беспечный,  
Однажды закопав, не откапают вновь.



ساقی غم من بلند آوازہ شدہ است      سرستی من برون زاندازہ شدہ است

باسوی سپید سر خوشم کز خطا تو      پیرانہ سرم بہار دل تازہ شدہ است

\*

Соқи, менинг ғамим овоза бўлмиш,  
Мастлигим ҳам хўп беандоза бўлмиш,  
Мўйсафиду шодмен, чунки хатингдан —  
Оқ бошим баҳору дил тоза бўлмиш,

\*

Саки! Печалью грудь моя полна.  
Без меры нынче выпил я вина.  
Пушок твоих ланит так юн и нежен,  
Что новая пришла ко мне весна.



گردون کمری ز عسمر فرسوده است    حیون اثری ز چشم پالوده است

دوزخ شری ز رنج بیوده است    فردوس دمی ز وقت آسوده است

\*

Шўрлик умримизга чарх сиртмоқ — камар,  
Жайхун кўзимизнинг ёшидан асар,  
Беҳуда ранжимиз дўзах учқуни,  
Жаннат — умримизда тинч бир дам магар.

\*

Небо — кушак, что облек изнуренный мой стан,  
Волны Джейхуна — родят наших слез океан.  
Ад — это искорка наших пылающих вздохов.  
Рай — это отдых, что нам на мгновение дан.



ما اهل محسین و شما اهل هشت  
 بابائی و عاشق و شما ویر و کشت  
 تقصیر من از روز ازل هست بگوی  
 نقاش چنین به لوح تقدیر هشت

\*

Бизга маю маъшук, сизга дайр ташвиш,  
 Сиз жаннат аҳли-ю, бизга дӯзахмиш.  
 Азал гуноҳимиз нима, айтинг-чи,  
 Тақдир лавҳасида шундай ёзилмиш.

\*

Вам — кумирня и храм, нам — кумиры и чаша с вином.  
 Вы живете в раю, мы — в геенне горящей живем.  
 В чем же наша вина? Это сам он — предвечный  
 художник —  
 На скрижалях судьбы начертал своим вещим резцом.



از جلد و شکاف این راه دراز      باز آمده که خبر پرستم باز  
 از هزار دین و ورایه آرزو نیاز      چیزی نگذارم که نمیانی باز

\*

Бу борса келмас йўл — бу узоқ сафар,  
 Қани, ким қайтибди, сўрасак хабар.  
 Асрору илтижо айрилишида  
 Ҳеч нарса қолдирма, қайтмайсан дигар.

\*

В дальний путь караваны идут, бубенцами звенят  
 Кто поведал о бедах, что нам на пути предстоят?  
 Берегись! В этом старом рабате алчбы и нужды  
 Не бросай ничего, ибо ты не вернешься назад.



ئاۋر تىست اتخوان ورك وپي      از خان تقدير منى بيرون پي  
 گردن من از خشم بود رستم زال      منت مكشش اردو ست بود حاتم علي

\*

Танангда бор экан томир, суяк, пай,  
 Яшайвер тақдирнинг уйидан чиқмай.  
 Ёв Рустам бўлса ҳам бўйингни эгма,  
 Миннат чекма дўстинг бўлса Хотам Тай.

\*

Из кожи, мышц, костей и жил дана творцом основа нам.  
 Не преступай порог судьбы. Что ждет нас — неизвестно  
 там.  
 Не отступай, пусть будет твой противоборец сам Рустам,  
 Ни перед кем не будь в долгу, хотя бы в долг давал  
 Хотам.



فصل نهم از اگر تکی حور شرشت یک ساغومی دید مرا بر لب کشت

هر چند بنزد عامه این باشد شرشت سگ به زمین است اگر نرم نام شرشت

\*

Баҳор айёмида гўзал паризод —  
Бир коса май бериб, дилим этса шод.  
Қишилар наздида хунук бўлса ҳам,  
Ит бўлай жаннатни бир бор қилсам ёд.

\*

Коль весенней порою, красотою блистая,  
Сядет пери со мною, чашу мне наполняя,  
У межи шелестящей, золотящейся нивы —  
Пусть я буду неверным, если вспомню о рае.



از هر چه بجز نری است کوتاهی به می هم زلف بتان خرگاهی به

مستی و قلندری و گمراهی به یک جزع می ز ماه تا ماهی به

\*

Майдан бошқасига қисқа он яхши,  
Майни ҳам узатса шўх жонон яхши.  
Еру кўкдан ортиқ бир пиёла май,  
Бўлмоқ маст, қаландар ҳам сарсон яхши.

\*

Лучше в жизни всего избегать, кроме чаши вина,  
Если пери, что чашу дала, весела и хмельна.  
Опьянение, беспутство, поверь, от Луны и до Рыбы.  
Это — лучшее здесь, если винная чаша полна.



هه سبزه که بر کنار جوئی بوده است گویی که خط فرشته خونی بوده است

تایر سبزه پای بخواری نخستی کان سبزه ز خاک لاله روی بوده است

\*

Арик лабидаги ҳар гиёҳ кўкат —  
Малакдай гўзалнинг юзидаги хат.  
Бу сабза — лоладек юзлар тупроғи,  
Сабзага авайлаб оёқ қўй ғоят.

\*

Стебель свежей травы, что под утренним солнцем  
блестит,

Волоском был того, кто судьбою так рано убит.  
Не топчи своей грубой ногой эту нежную травку,  
Ведь она проросла из тюльпановоцветных ланит.



تأشیدم طرب ز من پنجهانست چون مست شدم در خردم نقصانست  
حالی است میان مستی و بیداری من بنده آن که زندگانی آنست

\*

Хушёр бўлсам, мендан хурсандлик йироқ,  
Маст бўлсам, ақлимдан ажрайман бироқ.  
Мастлигу хушёрлик оралиғи бор,  
Ҳаёт шу, унга қул бўлсам яхшироқ.

\*

Когда я трезв, то ни в чем мне отрады нет.  
Когда я пьян, то слабеет разума свет,  
Если время блаженства меж трезвостью и опьяненьем.  
И в этом — жизнь. Я прав иль нет? Дай ответ.



لب بر لب كوزه بروم از عايت آرز  
 تازو طلبيم واسطه غم سرور از  
 لب بر لب من نصف دو برگفت بر از  
 من هم چو تو بوده ام دمي با من ساز

\*

Лабим қўйиб кўза лабига бир дам,  
 Узун умр воситаси талабин қилсам.  
 Лабин келтирди-ю лабимга, деди:  
 Мен ҳам сендек эдим, бир дам бўл ҳамдам.

\*

Я жадно устами к устам кувшина прильнул.  
 Как будто начало желанной жизни вернул.  
 «Я был, как и ты. Так побудь хоть мгновенье со  
 мною», —  
 Так глиняной влажной губою кувшин мне шепнул.



برکت می لعل و زلف دلدار پست      بر طوف چمن کند باقبال نشست  
می نوشد و از دور فلک زندیش      تا آنکه شود ز باد و عشرت مست

\*

Кафтида лаълин май, ёнида санам,  
Чаманда ўтирса бахт бўлиб ҳамдам,  
Май ичиб фалакдан ҳеч емаса гам,  
Ишрат майи кайфин сургай шул одам.

\*

С фиалом в руке, с локоном пери — в другой,  
Сидит он в отрадной тени, над светлой рекой.  
Он пьет, презирая угрозы бегущего свода,  
Пска не упьется, вкушая блаженный покой.



افلاک که جز غم نفرایند و گر  
 نهند بجای تا نربایند و گر  
 نآیدگان اگر بدانند که ما  
 از دهر چه میکشیم نایند و گر

\*

Бизга фалак иши — фақат ташвиш — ғам,  
 Бирини тикласа, бошқаси барҳам,  
 Ҳали келмаганлар бундан беҳабар,  
 Хабар топа қолса келмас эди ҳам.

\*

Страданий горы небо громоздит,  
 Едва один рожден, другой — убит.  
 Но неродившийся бы не родился,  
 Когда бы знал, что здесь ему грозит.



خوش آنکه دین زمانه آزاده بریست      خرسند بهر چه کشت خدا و آوده بریست

دین یکدم غم را غنیمت بشمارد      آزاده و با ساد و با آواره بریست

\*

Хушвақт — ким бу замон озод яшади,  
Худо берганларин қўймай ошади,  
Қим ғанимат билди бир дам умрни,  
Қўлда май, озоду дилшод яшади.

\*

Блажен, кто в наши дни вкусил свободу,  
Минуя горе, слезы и невзгоду;  
Был всем доволен, что послал Яздан,  
Жил с чистым сердцем, пил вино — не воду.



تا چنه كنم عرفه ناداني خویش بگرفت دل از بی سر و سامانی خویش

ز ناز این پس میان خواهم بست از شرم گناه و از مسلمانانی خویش

\*

Қанчалар арз қилсам мен нодонликдан,  
Дил шунча танг бўлур нотавонликдан.  
Бундан сўнг бойлайман белимга зуннор,  
Уялиб гуноҳу мусулмонликдан.

\*

Увы! Мое незнание таково,  
Что я — беспомощный — страшусь всего.  
Пойду зуннар надену, — так мне стыдно  
Грехов и мусульманства моего!



گرو دگری چسگونه پرواز کنم    یا عشق نوی چسگونه آغاز کنم  
 یکتا لحظه سرشک دیده می نگذارد    تا چشم بروی دگری باز کنم

\*

Бошқалар бошидан нечук айланай,  
 Ё янги севгини бошлайин қандай.  
 Кўзимдан дув оққан ёшим қўймагач,  
 Ўзга ёр ҳуснига қандоқ бойланай.

\*

Как обратиться мне к другой любви?  
 И кто она, о боже, назови.  
 Как прежнюю любовь забыть смогу я,  
 Когда глаза в слезах, душа в крови!



می خور که فلک بهر لاک من و تو      قصدی دارد بجان پاک من و تو

در سبزه نشین و می روشن میخیز      کاین سبزه بسی دمد ز خاک من و تو

\*

Чархи фалак бизни этмоқчи ҳалок,  
Жон қасдида дилни қилмоқчи чок-чок:  
Сабза узра ўлтир, май ич, шод яша,  
Ўт бирла қопланар тез бизнинг ҳам хок.

\*

Бессудный этот небосвод — губитель сущего всего,  
Меня погубит и тебя и не оставит ничего.  
Садись на свежую траву, с беспечным сердцем пей вино.  
Ведь завтра вырастет трава, о друг, из праха твоего.



دانی ز چه روی شهر گشت چاره آزادی سرو و سون اندر افواه  
 کاین دارد ده زبان همیش خاموش و از است دوصد دایم و لیکن کوتاه

\*

Биласанми, савсан ҳам сарв тақдирин,  
 Оғизларда дoston бўлганлик сирин?  
 Бириси юз тили билан жим турар,  
 Бириси юз қўлдан узатмас бирин.

\*

Чем прославились в веках лилия и кипарис?  
 И откуда все о них эти притчи родились?  
 Кипарис многоязык, и цветок многоязык.  
 Что ж молчат? Иль от любви самовольно отреклись?







چون میگزد عمر چه شیرین چو تلخ      پیمان چو پر شد چه خشایور و چه بلخ  
می نوش که بعد از من و تو ماه بسی      از سلخ به غره آید از غره به سلخ

\*

Улар жойинг хоҳ Балх, хоҳи Нишопур —  
Аччиқми, чучукми ўтар бу умр.  
Май ич, ой осмонда биздан кейин ҳам  
Неча марта шом еб, неча бор тўлур.

\*

Коль жизнь прошла, не все ль равно — сладка ль,  
горька ль она?  
Что Балх и Нишапур тогда пред чашею вина?  
Пей, друг! Ведь будут после нас сменяться много раз  
Ущербный серп и новый серп, и полная луна.



کو محرم راز تا بگویم یک دم      کرگاه نخست خود چه بوده است آدم  
محنت زده فی سترشتہ فی انزل غم      یکچند جہان بگشت و برداشت قدم

\*

Қани ул сирдош дўст, сир айтсам бир дам,  
Азалда қандайин бўлганди одам:  
Жафо-ю қайғудан қорилган лойи,  
Бир йўл жаҳон кезиб, тез узди қадам.

\*

Есть ли мне друг, чтобы внял моей повести он?  
Чем человек был вначале, едва сотворен?  
В муках рожденный, замешен из крови и глины,  
В муках он жил и застыл до скончанья времен.



هنگام صبح ای پسر فرخ پی      برسان ترانه و پیش آور می  
 بروست بخاک صد هزاران جهم کی      این آمدن تیرمه و فرستنی دی

\*

Эрталик пайтида, эй бахтли жонон,  
 Май келтир, тарона созлагил чандон.  
 Юз минг Жамшид, Кайни тупроққа тикди —  
 Бу фалак ёз кетиб, қиш келар замон.

\*

О друг, заря рассветная взошла.  
 Так пусть вином сверкает пиала!  
 Зима убила тысячи Джамшидов,  
 Чтобы весна сегодня расцвела.



آنکه جهان زیر قدم فرسودند      و در طلبش سر دو جهان پیودند  
 آگاه نیم از آنکه آنان زین پیش      از کار چنانکه هست آگاه بودند

\*

Оламни пиёда кезиб чиққанлар,  
 Икки дунё сўзин дилга тукканлар,  
 Бизлардан ортиқроқ билдилармикан,  
 Жаҳон сирларини бир-бир йиққанлар.

\*

Тем, кто несет о неизвестном весть,  
 Кто обошел весь мир, — почет и честь.  
 Но больше ли, чем мы, они узнали  
 О мире, о таком, каков он есть?



توکی ز چراغ مسجد و دود کشت    تا چند زبان دوزخ و سود بشت  
 بر لوح قضا نگر که از دور ازل    استاد هر آنچه بود فی بود بشت

\*

Токай бутхона-ю масжиддан дейсан,  
 Токай жаҳаннаму беҳиштан дейсан?  
 Тақдир лавҳасин кўр, қалам устоди —  
 Бўлар ишнинг барин ўшанга чеккан.

\*

Доколе дым кумирни прославлять,  
 О рае и об аде толковать?  
 Взгляни на доски судеб — там издревле  
 Написано все то, что должно стать.



زان بادو که عمر را حیات دگر است    پرکن قدحی گرچه ترا در دهر است  
 بر نه به کفتم که کار عالم سمر است    بشتاب که عمر هر روی در گذر است

\*

Ҳаётга ўзга тус бергувчи шароб —  
 Келтир, қадаҳга қуй, бўлса ҳам азоб,  
 Қўлга бер, оламнинг ишлари хуноб,  
 Ҳар нафас умр ўтар, айлагил шитоб.

\*

Пусть эта пиала кипит, сверкает  
 Живым вином, что жизнь преобразает.  
 Дай чашу! Все известно, что нас ждет.  
 Спеши! Ведь жизнь всечасно убегает.



دوری که در او آمدن و رفتن ماست      آنرا نه نهایت نه بدایت پیداست  
 کس هیچ گفته است این معنی را      کاین آمدن از کجا و رفتن بکجا است

\*

Биз келиб кетувчи тўгарак жаҳон,  
 На боши маълуму на сўнги аён.  
 Ҳеч кимса ростини айтиб беролмас;  
 Биз қайдан келдигу кетурмиз қаён.

\*

Чья рука этот круг вековой разомкнет?  
 Кто конец и начало у круга найдет?  
 И никто не открыл еще роду людскому —  
 Как, откуда, зачем наш приход и уход.



چون ابر بنور و رخ لاله بشت  
 برخیز و بجام باده کن عزم در است  
 کاین سبزه که امروز تماشا گشت  
 فردا همه از خاک تو بر خواهد گشت

\*

Лола юзин ювди ёғингар кўклам,  
 Лиммо-лим қадаҳга қўл узат бардам.  
 Букун сен сайр этган ушбу кўкатлар  
 Эрта тупроғингдан унар жамулжам.

\*

Только ливень весенний смочет ланиты тюльпана.  
 Встав с утра, ты прильни к пиале с этой влагою пьяной.  
 Ведь такая ж трава, что сегодня твой радует взгляд,  
 Через век прорастет из тебя в этом мире обмана.



بر خودستم و ریج نهادن بیجاست      از سهمی خود فرون نمیباید خواست  
 آنچه از ازلت بنام ننوشتده است      آنست ترا بهره بدون کم و کاست

\*

Беҳуда ўзингга айлама ситам,  
 Улушингдан ортиқ тиламагил ҳам.  
 Азалдан помингга нима ёзилса,  
 Ўша сенинг баҳранг, бўлмас ортиқ — кам.

\*

Зачем себя томить и утруждать,  
 Зачем себе чрезмерного желать.  
 Что предначертано, то с нами будет.  
 Ни меньше и ни больше нам не взять.



چون آگهی ای دوست زیر اسراری      چندین چه خوری به سینه بیماری  
چون می نرود باختیارت کاری      خوش باش درین دمی که هستی باری

\*

Ҳар сирдан огоҳсен, эй дӯстим, сен ҳам,  
На учун беҳуда чекасан алам.  
Ихтиёринг билан юришмас ҳеч иш,  
Хурсанд бўл, тириксен, сеники бу дам.

\*

Все тайны мира ты открыл... Но все ж  
Тоскуешь, втихомолку слезы льешь,  
Все здесь не по твоей вершится воле.  
Будь мудр, доволен тем, чем ты живешь.



این چرخ که با کسی نمیکوید راز گشته بهستم هزار محسود و ایاز

می خور که نبخشند بکس عمر دراز و آنکس که شد از جهان میباید باز

\*

Бу чарх ҳеч кимсага сўйламайди роз,  
Ситамидан ўлди минг Маҳмуд, Аёз,  
Ичавер! Ҳеч кимда йўқ умри боқий,  
Дунёдан кетганлар қайтиб келмас боз.

\*

И опять небосвод неразгаданной тайной зажжется...  
От коварства его ни Махмуд, ни Аяз не спасется.  
Пей вино, ибо вечная жизнь никому не дана.  
Кто из жизни ушел, тот, увы, никогда не вернется.



گویند ترا بهشت با حور خوشست من میگویم که آب انگور خوشست

این نقد بگیر و دست از آن نسیه نشوی کاوان و دهل شنیدن از دور خوشست

\*

Дерлар: жаннатда ҳур бўлмоғи яхши,  
Менга узум сувин булоғи яхши.  
Чунки насъясидан нақдроғи яхши,  
Ногора товушин узоғи яхши.

\*

Гласит завет: «Прекрасен рай с любовью девы  
неземной».  
А я в ответ: «Отрадней мне здесь виноградный сок  
хмельной».  
Бери наличность, откажись от неналичного расчета.  
Приятен только издали тревожный барабанный бой.



خوش باش که غصه بیکران خواهد بود      در چرخ قران اخته ان خواهد بود

خشتی که ز خاک تو نخواهند زد      دیوار سترای دیگران خواهد بود

\*

Хушвақт бўл, ғуссанинг чеки йўқ бир он,  
Бу чарх юлдузларга солади қирон.  
Сенинг тупроғингдан ясалган гиштлар  
Бўлар ўзгаларга манзилу макон.

\*

Будь весел! Море бедствий бесконечно.  
Круговорот светил пребудет вечно.  
Но завтра ты пойдешь на кирпичи  
У каменщика под рукой беспечной.



مايىم خىدايى كىلىدۇ ۋە ئالماق فروشنىڭ عالمىدە  
 گەتتى كەپس ازىركى كىچا خواپى فەت

\*

Эски, янги майга биз-ку харидор,  
 Оламни бир донга сотишга тайёр.  
 Мен ўлиб кетарда «Қайға»? деб сўрма,  
 Май беру хоҳлаган жойингга юбор.

\*

Мы сперва покупаем вино молодое,  
 За два зернышка все уступаем земное.  
 Ты спросил: «Где ты будешь — в аду иль в раю?»  
 Дай вина и оставь меня, братец, в покое.



ای دهر نعلهای خود مسترفی در خانه جور وستم مستکفی  
 نعمت به خسان دهمی و نعمت یکسان زین هر دو برون نیست خری یا خرفی

Ўзингга маълумдир, эй даҳр, ситаминг,  
 Ситам чодирیدا ўтар ҳар даминг.  
 Ёмонга неъмату яхшига кулфат,  
 Ёвмисан ё эшак? Бу не аламинг?!

О судьба! Ты насилье во всем утверждаешь сама.  
 Беспределен твой гнев, как тебя породившая тьма.  
 Благо подлым даришь ты, а горе — сердцам  
 благородным.  
 Иль ты не способна к добру, иль сошла ты с ума?



ای دل چو حقیقت جهانست مجاز چنین چه خوری اندوه و هم رنج و راز

تسليم قضا شو به کم و بیش سباز کاین فتنه قلم ز بهر تو ناید باز

\*

Жаҳон ҳақиқати мажоздир, э дил,  
Бехудага ранжу андуҳ чекмагил.  
Қазога таслим бўл, кўп-озига кўн,  
Қазо қаламравин ўзгармас деб бил.

\*

Если истина в мире условна, что ж, сердце губя,  
Предаешься ты скорби, страданья свои возлюбя.  
С тем, что есть, примиришь, о мудрец. То, что вечным  
каламом  
Предначертано всем, не изменится ради тебя.



مايم بلاك از غم بخت برانت  
 هر چاي شوي دست من و دامن  
 رفتي و هزار دل بلاك از غم هست  
 باز آيدي و هزار دل قربانت

\*

Мени ҳалок этмиш ғами ҳижронинг,  
 Эгагингни тутдим кетган замонинг.  
 Кетдингу ғамингдан минг кўнгил ўлди,  
 Қайтдинг, яна минг жон бўлди қурбонинг.

\*

Я мук разлуки нашей не забуду.  
 Ищу тебя, невольно веря чуду.  
 Ты к страждующим покинутым вернись!  
 И в сонме душ твоей я жертвой буду.



راز از هر ناکس ننهان باید داشت      و اسرار نهان را بلسان باید داشت

بستر که بجان مردمان می چه کنی      چشم از هر مردمان پنهان باید داشت

\*

Нокасдан сир беркит, тилингни боғла,  
Аблаҳдан яширин бўлмоқни чоғла.  
Кишилар жонига ўз қилмишин кўр,  
Сен ҳам шунга кўз тут, шуни сўроғла.

\*

С людьми ты тайной не делись своей.  
Ведь ты не знаешь, кто из них подлей.  
Как сам ты поступаешь с божьей тварью,  
Того же жди себе и от людей.



هر دل که ابر محنت دوست شست  
 هر سر که غبار سر آن دوست شست  
 از دوست بناوک غم آزرده شو  
 خوش باش که هر چه آید از دوست شست

\*

Дил унинг дардига тўлса яхшидир,  
 Бош — йўлин тупроғи бўлса яхшидир.  
 Ғам тигин дўст отса, унга ранжима,  
 Ҳар нарса дўстингдан келса яхшидир.

\*

Я красоты приемлю самовластье.  
 К ее порогу сам готов припасть я.  
 Не обижайся на ее причуды.  
 Ведь все, что от нее исходит, — счастье.



ما عاشق و اشفته و مستيم امروز      در کوی بتان باد پرستيم امروز  
 از هستی خویشتن بکلی رسته      پیوسته بدرگاه المستيم امروز

Букун биз — ошиқлар ошифта-ю маст,  
 Санамлар кўйида хўп бодапараст,  
 Тамом халос бўлиб ўзлимиздан,  
 Нақ арши аълога бўлибмиз пайваст.

\*

Влюбленные, пьяные — вновь мы без страха  
 Вину преклоняемся, вставши из праха.  
 И, сбросив, как рубище, плен бытия,  
 Сегодня вступаем в чертоги аллаха.



گویند بهشت و حور عین خواهد بود آنجای ناب و انگبین خواهد بود

گرامی و معشوق پرستیم رو است چون عاقبت کار همین خواهد بود

\*

Жаннатда ҳам ҳуру ҳам май бўлармиш,  
Ҳаммаси мўл-кўлу мўмай бўлармиш,  
Биз маю маъшукни севсак арзийди,  
Чунки оқибат ҳам шундай бўлармиш.

\*

Ты учишь: «Верные в раю святом  
Упьются лаской гурий и вином».  
Какой же грех теперь в любви и пьянстве,  
Коль мы, в конце концов, к тому ж придем?



گردست و پیر مغز کند مانی    وز می دو منی ز گو سپیدی رانی

بادلبر کی نشسته در ویرانی    عیشی است که نیست حد هر سلطانی

\*

Кўлимизда бўлса оқ буғдой дони,  
Бир коса шаробу қўйнинг бир сони,  
Дилбар билан майли вайронадамиз,  
Бу айшни тополмас жаҳон султони.

\*

Коль раздобуду я вина два мана,  
Лепешку, и жаркое, и барана  
И с милой средь руин уединюсь, —  
То будет пир, достойный лишь султана.



از من چو برفت جان پاک من و تو خشتی دو نمهند بر مغاک من و تو  
 والگاہ برای خشت گور و گران در کالبدی کشند خاک من و تو

\*

Жонимиз бу танни тарк этиб кетар,  
 Икки гишт гўримиз кўзин беркитар.  
 Қейин бошқа гўрга гишт қуймоқ учун  
 Бизнинг тупроқларни эзиб лой этар.

\*

Когда наши души уйдут, с телами навек разлучась,  
 Из праха умерших давно построят надгробье для нас.  
 И долгие годы пройдут, и правнуки наши умрут,  
 Пойдем на надгробье для них и мы, в кирпичи  
 превратясь.



گویند ہر آنکسان کہ با پرہیزند  
زانسان کہ بیسزد چنان برخیزند  
ماہابی و معشوق از آنیم مدام  
باشد کہ بچشمان چنان انگیزند

\*

Дейдилар, ким қилса тоат-ибодат,  
Қандай ўлса, шундай уйғонур албат.  
Доимо маю ёр билан биргамен,  
Мен шундоқ тирилгум бўлса қиёмат.

\*

«Те, что живут благочестиво, — имамы говорят, —  
Войдут такими же, как были, в господень райский сад».  
Мы потому не расстаемся с возлюбленной, с вином, —  
Ведь, может быть, как здесь мы жили, так нас и  
воскресят.



ای چرخ فلک خرابی از کیند تست      بیدادگری شیوه دیرینه تست  
وی خاک اگر سینه تو بشکافند      بس کوهر قیمتی که در سینه تست

\*

Эй фалак, доимо ҳунаринг бузмоқ,  
Эскидан одатинг зулм кўргузмоқ.  
Ер! Агар бағрингни ёриб кўрсалар,  
Чиқарди қанчалаб инжу ялтироқ.

\*

Небосвод! Лишь от злобы твоей наши беды идут.  
От тебя справедливости мудрые люди не ждут.  
О земля! Если взрыть глубину твоей груди холодной,  
Сколько там драгоценных алмазов и лалов найдут!



گویند که دوزخی بود مردم مست      حریت خلافت و دل در او نتوان  
گر عاشق و مست دوزخی خواهد بود      فردا نگر برشت چون کعبه و ست

\*

Мастлар дўзахийдир, деб айтсалар, сиз  
Бу хилоф сўзларга кўнгил бермангиз,  
Ошиқлару, мастлар дўзахга тушса,  
Жаннат кафтдек тақир қолғуси сўзсиз.

\*

«Всех пьяниц и влюбленных ждёт геенна».  
Не верьте, братья, этой лжи презренной!  
Коль пьяниц и влюбленных в ад загнать,  
Рай опустеет завтра ж, несомненно.



این کار که بس خوش پرداخته اند  
 بگفته و در رنج و انداخته اند  
 نصیب او قدم بخواری نهی  
 کاین کاره ز کاره های سر ساخته اند

\*

Бу коса ясалмиш гүзал — ялтироқ,  
 Чил-чил қилиб йўлга ташланмиш, бироқ,  
 Зинҳор уни босиб хор айламагил,  
 Бу коса аслида чаноқ, бош чаноқ!

\*

По краям этой чаши прекрасной вились письма,  
 Но разбита и брошена в пыль на дороге она.  
 Обойди черепки осторожно. Была ведь, быть может,  
 Эта чаша из чаши прекрасной главы создана.



آنانكه بكار عقل در ميكوشند    هيچات كه جمله گاو نر ميدوشند

آن بيه كه لباس ابلهجي در پوشند    كامروز به عقل تره مي نفروشند

\*

Ҳар ким ақл сўзига соларкан қулоқ,  
Чиндан, оқибатда бу ҳўкиз соғмоқ!!!  
Ғўр ақлинг зўр келиб май сотмаяпсан,  
Аблаҳлик тўнини кий, шу маъқулроқ!

\*

Зачем ты пользы ждешь от мудрости своей?  
Удоя от козла дождешься ты скорей.  
Прикинься дураком — и больше пользы будет.  
А мудрость в наши дни дешевле, чем порей.



خایام، برای کنه این ماتم چیست      وز خوردن غم فایده بیش و کم چیست  
گرییح کنه نباشدی غفران چیست      غفران ز برای کنه آمد غم چیست

\*

Хайём, гуноҳим деб мотам нечун, хӯш?  
Фойдасиз, кӯпми — оз бу ғам нечун, хӯш?  
Гуноҳни кечишга карами бор-ку,  
Ҳеч гуноҳ бўлмаса, карам нечун, хӯш?

\*

Зачем, о грехах вспоминая, Хайям, убиваешься ты?  
О грешник, иль в милости божьей душой сомневаешься ты?

Коль не было бы грехов, то не было бы и прощенья.  
Прощенье живет для греха. Так о чем сокрушаешься ты?



وقت محبت خیزای مایه ناز      نرمک نرمک باده خور و چنگ نواز

کانشاکه بجایند نیایشی      وانها که شدند کس نمی آید باز

❦

Тонг чоғида тургил, нозанин гўзал,  
Майдалаб ичайлик, рубобингни чал.  
Дунёда бор одам узоқ турмайди,  
Кетганлар ҳам қайтиб келмас ҳеч маҳал.

\*

Эй, неженка, открой навстречу утру взгляд,  
И пей вино, и пой, настроив струнный лад.  
Ведь кто сегодня жив, тот завтра будет взят,  
А кто ушел навек, тот не придет назад.



دړپای اجل چو من سرافکنده شوم      از دست اجل چو مرغ پرکنده شوم  
 زخف رگلم بجز صراحی مکنید      شاید که چوبوی می رسد زنده شوم

\*

Ажал бош эгдирса, бўлмаса чора,  
 Дастидан тану дил бўлса юз пора,  
 Тупроғимдан фақат кўза ясангиз,  
 Майнинг бўйи тегиб, тирилсам зора.

\*

Когда смерть меня схватит, задора полна,  
 Как меня, словно птицу, ошиплет она,  
 Вы из персти моей смастерите кувшин.  
 Может быть, оживит меня запах вина.



چون درگذرم پیاده شوئید مرا تلقین ز شراب ناب گوئید مرا  
خواهید بروز شریابید مرا از خاک در میگذرد جوئید مرا



Мен ўлсам май бирла ювишни кўзланг,  
Иўқлавда жом бирла шаробдан сўзланг.  
Қиёмат кунда топмоқ бўлсангиз,  
Майхона тупроғини тубидан изланг.



Чтоб обмыть мое тело, вина принесите,  
Изголовье могилы вином оросите.  
Захотите найти меня в день воскресенья, —  
Труп мой в прахе питейного дома ищите.







گویند مخموری که بلا کشی باشی      در روز مکافات در آتش باشی  
 حقست ولی بجز درد و عالم ارزو      یکدم که تراز شراب سر خوش باشی

\*

Май ичма дейдилар, ортар фиғонинг,  
 Қиёматда дўзах бўлур маконинг.  
 Бу ҳақ, аммо арзир икки жаҳонга —  
 Май ичиб, ширакайф бўлган бир онинг.

\*

Мне говорят: «Не пей, чтоб не попасть в беду,  
 Иначе в Судный день очутишься в аду».  
 Пусть так, но я отдам за чашу оба мира  
 И допьяна упьюсь, и пьяный в гроб сойду.



ما لعبتگانهیم و فلک لعبت باز  
 از روی حقیقت نه که از روی مجاز  
 بازیچه همی کنیم بر نظم وجود  
 اقیم به صندوق عدم یک یک باز

\*

Бизлар қўғирчоғу, фалак қўрчоқбоз,  
 Бу сўзим чин сўздир, эмасдир мажоз.  
 Иўқлик сандуғига бир-бир тушамиз,  
 Вужуд палосида ўйнагач бир оз.

\*

Кто мы? Куклы на нитках, а кукольник наш —

небосвод.

Он в большом балагане своем представление ведет.  
 Он сейчас на ковре бытия нас попрыгать заставит,  
 А потом в свой сундук одного за другим уберет.



مرغی دیدم فشته بر باره ظوس      در پیش نهاده کله کیکاوس  
 با کله همی گفت که افسوس افسوس      کو بانگ بر صفا و کجای ناله کوس

\*

Тушда бир қуш кўрдим саҳар палласи,  
 Ўнгида ётарди Ковус калласи.  
 Қуш унга қараб дер: Оҳ, афсус, афсус,  
 Қани қўнғироқлар, ногора саси.

\*

Увидел птицу я среди руин твердыни  
 Над черепом царя, валявшимся в пустыне,  
 И птица молвила: «Ты ль это, Кей-Кавус?  
 Где гром твоих литавр? Где трон и меч твой ныне?»



گر زانکه بدست آید از می دوستی      مینوشش بر جمع و مجلس انجمنی  
 کائنات که جهان ساخت فراغت یارو      از سببست چون تویی و ریش چو منی

Топилса икки жом майни қўлга ол,  
 Ҳар қандай даврада ичгил бемалол,  
 Керак эмас ахир, яратганга ҳеч  
 На сендек мўйлабу, на мендек соқол.

\*

Достав вина два мана, не жалей —  
 Сам пей и вдоволь угощай друзей.  
 Ведь не нуждается создатель мира  
 В твоих усах и в бороде моей.



ای چرخ و لہم ہمیشہ غمناک کنی      پیراہن فرخی سن چاک کنی  
بادی کہ بمن وز تو آتش کنی ش      آبی کہ خورم در دهنم خاک کنی

\*

Фалак, кўнглим доим ғамнок қилурсан,  
Қувончим кўйлагин чок-чок қилурсан.  
Менга эсан елдан оташ уфуриб,  
Сув ичсам, оғзимда тупроқ қилурсан!

\*

О небосвод! Что ты сердце мое огорчаешь?  
Счастья рубаху на мне ты в клочки разрываешь.  
Делаешь северный ветер дыханьем огня,  
Воду в моей пиале ты в песок превращаешь.



چندین غم مال و حسرت دنیا چیست    هرگز دیدی کسی که جاوید نیست

این چند نفس در تن تو عاریتی است    با عاریتی عاریتی باید نیست

\*

Мол-дунё ҳасрати қилмасин афгор,  
Мангу яшар киши қани, қайда бор?  
Бир неча нафасинг танда амонат,  
Амонатга амонат бўлмоқлик даркор.

\*

Зачем копить добро в пустыне бытия?  
Кто вечно жил средь нас? Таких не видел я.  
Ведь жизнь нам в долг дана, и то — на срок недолгий,  
А то, что в долг дано, не собственность твоя.



يک دست به مصحفيم و یک دست بجام که مرد حلاليم و گهی مرد حرام  
 مايم و دين گنبد فيروزه رخام نه کافر مطلق نه مسلمان تمام

\*

Бир қўлда қуръону, биттасида жом,  
 Баъзида ҳалолмиз, баъзида ҳаром.  
 Фируза гумбазли осмон тагида  
 На чин мусулмонмиз, на кофир тамом.

\*

Одна рука — на коране, другая — на чаше пирова.  
 То мы — благочестивы, то нет для молитвы слов.  
 Под этим мраморным сводом, в эмалевой бирюзе  
 Кто мы — мусульмане, кяфиры? Не ясно, в конце

концов.



پیش از من و تو لیل و نهار بودست      گردنه فلک بر سر کاری بودست

زینهار قدم بخاک آهسته تنهی      کان مردمک چشم نگاری بودست

\*

Сен, мендан олдин ҳам тун-кун бор эди.  
Айланган фалак ҳам бутун бор эди.  
Тупроққа авайлаб қадамингни қўй,  
Бу тупроқ қора кўз бир нигор эди.

\*

Ведь задолго до нас ночь сменялась блистающим днем,  
И созвездья всходили над миром своим чередом.  
Осторожно ступай по земле! Каждый глины комок,  
Каждый пыльный комок был красавицы юной зрачком.



زان کوزه می که نیست در وی خری    مینوشش یکی قدح بمن ده دگری  
زان پیش که روزگار در بگذری    خاک من و تو کوزه کند کوزه گری

Бир кўза май келтир, бўлсин безарар,  
Ўзинг ич, менга ҳам узат баробар.  
Даврон ўз изидан айланиб, охир —  
Тупроғимиз кўза қилур кўзагар.

\*

Друг, из кувшина полного того  
Черпни вина, мы будем пить его,  
Пока гончар не сделает кувшина  
Из праха моего и твоего.



بر خیزد لاله چنگ بر چنگ ز نیم      می نوش کنیم و نام برنگ ز نیم  
 سجاده بیک پیاله می بفروشیم      وین شیشه نام و رنگ برنگ ز نیم

\*

Тур, э дил, чанг чалиб базм қурайлик,  
 Ичиб, ёмонликка номни бурайлик.  
 Сотиб жойнаmozни пиёла майга,  
 Риё шишасини тошга урайлик.

\*

Сердце, воспрянь! Мы по струнам рукой проведем,  
 Доброе имя уроним с утра за вином.  
 Коврик молитвенный в доме питейном зложим,  
 Склянку позора и чести, смеясь, разобьем.



خوش باش که ماه عید نو خواهد شد      و اسباب طرب همه نگو خواهد شد  
 مه لاغر و زرد و غم شدت ازستی      ناچار ازین رنج فرسود خواهد شد.

\*

Хушвақт бўл, келмоқда ҳайит айёми,  
 Шай бўлғуси бутун қувонч анжоми,  
 Сустликдан ой сариқ, озғин ва синиқ,  
 Вақтида бу дардлар битар тамоми.

\*

Будь весел, праздник вновь прославлен будет,  
 Пирь начнутся, пост оставлен будет.  
 Ущербный месяц тощ. День, два пройдет —  
 И он от всех невзгод избавлен будет.



د عشق تو از ملاسم تنگی نیست    بایخسبران دین سخن جگر نیست  
این شربت عشق داروی مرد نیست    نامردانرا ازین قدح رنگی نیست

\*

Ишқингдан йўқ менга ору маломат  
Ишқдан беҳабарга қилмам ишорат.  
Бу ишқ шаробидир мардларга дори,  
Номардларга насиб бўлмас бу роҳат.

\*

В любви к тебе не страшен мне укор,  
С невеждами я не вступаю в спор.  
Любовный кубок — исцеленье мужу,  
А не мужам — паденье и позор.



اینگونه که من کار جھان می بینم      عالم همه را یگان بر آن می بینم

سبحان الله بچه در منگرم      ز کامی خویشتن در آن می بینم

\*

Жаҳон ишин алвон-алвон кўрамен,  
Оламни тез ўтар бир он кўрамен,  
Худо ҳаққи, қайга назар ташламай,  
Шунда бахтсизлигим аён кўрамен.

\*

Все этого пестрого мира дела, как я вижу,  
Презренны, никчемны, исполнены зла, как я вижу,  
Что ж, слава творцу! Это дом, что я строил всю жизнь,  
Невежды сожгут и разрушат дотла, как я вижу.



تأوست باتفاق دهم نزنیم پانی به نشاط بر سر غم نزنیم  
 پیش از که صبح دم صبحی نزنیم کاین صبح بسی دند که ما دم نزنیم

\*

Қўлни қўлга бериб, бўлмасак ҳамдам,  
 Шодлик оёғидан тепки емас ғам.  
 Тонг чоғида туриб, саҳарлик май сун,  
 Жуда кўп тонг отар биздан кейин ҳам.

\*

Друзья, дадим обет быть вместе в этот час,  
 В веселье на печаль совместно ополчась,  
 И сядем пить вино сегодня до рассвета!  
 Придет иной рассвет, когда не будет нас.



دارنده چو ترکیب طبایع آراست از بهر چه او فکندش اندر کم و کاست  
گزینک آمد شستن از بهر چه بود ورنیک نیاید این صور عیب گراست

\*

Табиат тартибин яратиб оллоҳ,  
Нечун чил-чил қилиб отади, эвоҳ.  
Яхши бўлса нега парчалар уни,  
Ёмон бўлганида, айт, кимда гуноҳ?

\*

Ты формы отлива людей сотворил издавна.  
Что ж наша природа различных изъянов полна?  
Коль форма из глины прекрасна, зачем разбивать,  
А если плоха эта форма, чья в этом вина?



چون روزی و عمر پیش و کم نتوان کرد      خود را به کم و بیش در شم نتوان کرد  
کار من و تو چنان که رای من نیست      از موم بدست خویش هم نتوان کرد

\*

Ризқингни ошиғу кам қилиб бўлмас,  
Оз-кўп деб кўнгилга ғам қилиб бўлмас.  
Бу ишлар сен-менинг қўлимиздаги  
Мум эмас-да, эзиб ҳам қилиб бўлмас.

\*

Ни увеличить нам нельзя, ни приуменьшить свой удел.  
Не огорчайся же, мудрец, из-за пустых иль важных дел.  
Увы, я к выводу пришел: твоя ль судьба, моя ль судьба —  
Не воск в руках. Никто досель придать ей форму не сумел.



هست نیک و بدی که در نهاد بشر است      شادی و غمی که در قضا و قدر است

بچرخ مکن حواله کانه در ره عقل      چرخ از تو هست زار بار حیا تر است

\*

Киши ўзлигидан яхши, ёмон ҳам,  
Қазову қадару қувонч ёки ғам.  
Ақл айтур буларни чархга тўнкама,  
Чарх сендан ожизроқ бечора-ю, кам.

\*

Все: и зло, и добро, что людская скрывает природа,—  
Высшей воле подвластно, и здесь не дана нам свобода.  
Ты вину своих бедствий не сваливай на небосвод,  
В сто раз хуже, чем твой, подневольный удел небосвода.



این چرخ چو طایست گون افتاد / دروی همه زیر کان زبون افتاده

در دوستی شیشه و ساغر گرید / لب بر لب و در میان خون افتاده

\*

Тўнкарилган жомдай кўринар осмон.  
Остида забундур кимки билафон.  
Шиша-ю қадахнинг дўстлигини кўр,  
Лаб кўйиб ўпишар, ўрталикда қон.

\*

Посмотри на стозвездный опрокинутый небосвод,  
Под которым мудрейшие терпят насилие и гнет.  
Посмотри на лобзание любви пиалы и бутыли —  
Как прильнули друг к другу, а кровь между ними течет.



ایدل همه اسباب جهان خواسته گیر  
باغ طربت بسبزه آراسته گیر

وانگاه بر آن سبزه شبی چون شبنم  
بنشسته و باد بر خاسته گیر

\*

Эй дил, бил, ҳар нима тансиқ жаҳонда,  
Шодлик боғин кўкат безар ҳар ёнда.  
Кечқурун кўкатга шабнам сингари  
Бир қўндингу учиб кетдинг азонда.

\*

Эй, сердце, собери, что нужно в этом мире,  
Пусть только радости лужайка будет шире.  
Садись росой на луг зеленый ввечеру,  
А поутру вставай, всю ночь пробыв на пире.



در عالم جان بهوش میباشد بود در کار جهان خموش میباشد بود

تا چشم و زبان و گوش برجا باشد بی چشم و زبان و گوش میباشد بود

\*

Дил мулкида бўлмоқ керак хўп ҳушёр,  
Жаҳон ишида-чи, беуну бекор.  
Икки кўз, тил, қулоқ омон чоғида  
Кўз, тил ва қулоқсиз бўлмоқлик даркор.

\*

Ты, счет ведущий всем делам земным,  
Среди невежд будь мудрым, будь немым.  
Чтоб сохранить глаза, язык и уши,  
Прикинься здесь немым, слепым, глухим.



می خوردن و کرد نیسکوان گردیدن    به زانکه بزرق زاهدی ورزیدن

گر عاشق و مست دوزخی خواهد بود    پس روی بهشت کس نخواهد دیدن

\*

Май ичиб, яхшилар қўрин қуршамоқ —  
Суфийваш жаврашдан минг бор яхшироқ.  
Агар ошиқу маст дўзахий бўлса,  
Жаннат бетин ҳеч ким кўрмасди ҳеч чоқ.

\*

Уж лучше пить вино и пери обнимать,  
Чем лицемерные поклоны отбивать.  
Ты нам грозишь, муфтий, что пьяниц в ад погонят,  
Кому ж тогда в раю за чашей пировать?



ایام جوانی است شراب اولیتر      باروی نکو باد و ناب اولیتر

این عالم فانی که خوابست و خیال      از باد و دروست و خراب اولیتر

\*

Ешлик айёмида шароб авлороқ,  
Тоза май ҳам юзи моҳтоб авлороқ,  
Тушдир, харобадир бу фоний дунё,  
Бўлмоқ бунда масту хароб авлороқ.

\*

Ты полон бодрой силой — пей вино,  
С прекрасноликой милой — пей вино.  
Мир этот бранный — темные руины.  
Забудь, что есть и было, — пей вино.



تا چند اسیر رنگ و بو خواهی شد تا کی پی هر زشت و نکو خواهی شد

گر چشمه زمزمی و گر آب حیات آخر بدل خاک نهان خواهی شد

\*

Токай рангу буйига асир бўлурсен,  
Яхши — ёмонни деб, дилгир бўлурсен.  
Хоҳ замзам суви-ю, хоҳ оби ҳаёт,  
Охир ерга кириб, тақир бўлурсен.

\*

Доколе быть в плену румян и благовоний,  
За тленной красотой и мерзостью в погоне?  
Будь родником Замзам, ключом Воды Живой, —  
В свой срок ты скроешься в земном глубоком лоне.



یک جام شراب صد دل و دین ارزد    یک جرعه می ملکست چنین ارزد  
جر بادۀ لعل نیست در روی زمین    قنچ که هزار جان شیرین ارزد

\*

Бир жом шароб арзир юз дилу динга,  
Бир қултум май арзир давлати Чинга.  
Дунёда бодадан яхши ёқут йўқ,  
Аччиғи арзийди жондай ширинга.

\*

Ста сердце и ста вер дороже чаша одна.  
Все китайское царство не стоит глотка вина.  
Что еще есть на свете, кроме вина цвета лала? —  
Только скорбь, что вся радость земли усладить не  
вольна.



هر صبح که روی لاله شبیتم گیرد      بالای شفت در چمن خشم گیرد  
 انصاف مرا ز غنچه خوش میآید      لودامن خوشترن فراهم گیرد

Эрта тонг лолага шабнамки тегар,  
 Чаманда бинафша буйнини эгар.  
 Рост айтсам, ғунчадан жуда розимен,  
 Чунки у кўтармас на этак, на бар.

В час, когда увлажнятся тюльпаны вечерних полей  
 И фиалки наклонятся, став от росы тяжелей, —  
 Только те мне по нраву цветы, что от сырости ночи  
 Подбирают ревнивые полы одежды своей.



پیری سرو برگ ناصوابی دارد گلزار غم به رنگ آبی دارد

بام و در و چار کتی دیوار وجود ویران شده و رو بخت آبی دارد

\*

Қариликдан бошда не чоғлиқ бало,  
Еноғим гулнори — ҳозир каҳрабо.

Вужудим том, эшик ва тўрт устуни  
Бузилган, нураган, хароб, бедаво.

\*

С древа старости желтый последний слетает листок,  
Посинели гранаты увядших и сморщенных щек.  
Крыша, дверь и четыре подпорки стены бытия  
Угрожают паденьем. Настал разрушения срок.



سوژی که گذشتت از و یاد مکن فردا که نیامدست فریاد مکن

بمنامه و گذشتت بنیام مکن خوش باش کنون و غم بر یاد مکن

\*

Кечаги кунингни айламагил ёд,  
Эртанг келмай туриб, этма кўп фарёд.  
Ўтган, келмаганга қайғурмоқни қўй,  
Қувноқ бўл, умрингни қилмагил барбод.

\*

Напрасно не скорби о бывшем дне,  
Не думай о ненаступившем дне.  
Не расточай свой век, живи сегодня,  
Вот в этом, небо озарившем дне.



بيشيار نبوده ام دمی تا بستم      گرچه شب قدر باشد انهم بستم  
 لب بر لب جام و سینه بر سینه ختم      تا روز بگردن سراجی دستم

\*

Дунёга келибмен, бўлдим доим маст,  
 Кадр кечаси ҳам мен масту аласт.  
 Лабим жом лабида, қучоғимда хум,  
 Тонг отгунча қўлим кўзага пайваст.

\*

Я не был трезв ни дня, я не таю.  
 Я опьянен всегда: в ночь Кадр я пью,  
 Уста — к устам фиала; до рассвета  
 Рукою шею хума обовью.



گر می نخوری طعمه مزه مستانرا    بنیاد مکن توحید و دستانرا

توغسره بدان مشو که می نخوری    صد لقمه خوری که می غلام است آنرا

\*

Мастни таъна қилма, ичмасанг соғар,  
Ғийбат — дoston қилма, бўлма ҳийлагар  
Кеккая кўрма ҳеч май ичмайман деб,  
Сенинг қилмишларинг бундан бешбаттар.

\*

Ты не бываешь пьяным? Но пьяных не упрекай!  
Ты не живи обманом, низостей не совершай!  
Ты предо мной возгордился тем, что вином не упился?  
Трезв ты, но полон скверны, и скверна бьет через край!



می خور که ترا بخیر از خویش کند      خون در دل دشمن بداندیش کند  
 هشیار بدن چه سود دارد جز آنکه      زنده باشد پایان دل تورایش کند

\*

Май ичсанг, ўзингдан беҳабар қилур,  
 Ёвингни ер билан баробар қилур.  
 Ҳушёрлик фойдасиз, оқибат ғами  
 Дилни ўртай-ўртай яралар қилур.

\*

Пей вино, лишь оно одно забвенье тебе принесет,  
 Душу врага лишь оно смятением потрясет.  
 Что пользы в трезвости? Трезвость — источник мыслей  
 бесплодных.  
 Все в этом мире — смертны, и все бесследно пройдет.



ماخرقه زېدېرېشېر خېشم كړېم      وزخاك خرابات تېمېشم كړېم  
 باشد كه زخاك ميكد. دريايېم      ان عمر كه در ميكد. هېگم كړېم

\*

Жанда тўнни хумнинг оғзига ёпқум,  
 Харобат гардига қилдик таяммум.  
 Майхона хокидан топармиз ҳаёт,  
 Чунки ҳаётимиз шунда бўлди гум.

\*

Мы дервишеским рубищем жбан затыкали,  
 Омовенье землею трущоб совершали.  
 Может быть, и отыщем в пыли погребка  
 Жизнь, которую мы в погребках потеряли?



استر اجهلان چنانکه در دفتر است گفتن نتوان که آن و پال سر است

چون نیست در این مردم نادان ایلی نتوان گفتن هر آنچه در خاطر است

\*

Жаҳон сирӣ бўлсин дил дафтариди,  
Очсанг бошга бало эл назариди,  
Дилдаги ҳар гапни айтиб бўлмайди,  
Сен бу нодонлардан турғил нариди.

\*

Тайны мира, что я изложил в сокровенной тетради,  
От людей утаил я своей безопасности ради.  
Никому не могу рассказать, что скрываю в душе,  
Слишком много невежд в этом злом человеческом стаде.







از واقعه نئی ترا خبر خواهم کرد      وان را بدو حرف مختصر خواهم کرد  
 با عشق تو در خاک فرو خواهم شد      وز مهر تو سر ز خاک بر خواهم کرد

\*

Сенинг мафтунингман, берайин хабар,  
 Уни икки сўз-ла этай муҳтасар:  
 Ишқинг тупроқ қилгай, аммо меҳрингдан  
 Бошимни кўтариб, бўлгум жилвагар.

\*

Я пред тобою лишь не потаюсь,  
 Своей великой тайной поделюсь.  
 Любя тебя, я в прах могильный сойду.  
 И для тебя из праха поднимусь!



پیری دیدم بخواب مستی خفته      وز کرد شعور خانه تن رفت  
 می خورده و مست خفته و آشفته      واللہ لطیف بعبادہ گفت

\*

Бир кекса маст эрди, уйқуда эрди,  
 Эс-хушин шипириб шамолга берди.  
 Май ичиб, маст бўлиб, ухлаб гангираб.  
 «Валлоҳу латифун биибодих» дерди.

\*

Я пьяным встретил раз пред дверью кабака  
 С моленным ковриком и кубком старика;  
 Мой изумленный взор заметив, он воскликнул:  
 «Смерть ждет нас впереди, давай же пить пока!»



چشم تو عالم ارچه می آرایند      مگر ای بدان که عاقبت دران مگر آیند  
 بسیار چو تو روند و بسیار آیند      برای نصیب خویش کیت بر آیند

\*

Сенга кўрсатсалар ясоғлик олам,  
 Сен севма, севмайди ақлли одам.  
 Сендеклар бирталай келди-ю кетди,  
 Сени олмай туриб, олиб қол сен ҳам.

\*

Хоть этот мир лишь для тебя, ты мыслишь, сотворен,  
 Не полагайся на него, будь сердцем умудрен.  
 Ведь много до тебя людей пришло — ушло навек.  
 Возьми свое, пока ты сам на казнь не уведен.



حون کار نه بر مراد ما خواهد رفت اندیشه و صحبت در ما کجا خواهد رفت

پیوسته نشسته ایم در حسرت آنک ویرانده ایم و زرو می باید رفت

\*

Хаёт буйсунмагач бизнинг тилакка,  
Хаёлу ғайратинг чиқар пучакка.  
Эрта-кеч ҳасратин чекамиз пайваст  
Кеч келдик, тез етди вақт ҳам кетмакка.

\*

Когда свершается все не по нашим желаньям,  
Что пользы всю жизнь предаваться напрасным  
страданьям?  
Мы вечно в печали сидим, размышляя о том,  
Что поздний приход увенчается скорым прощаньем.



روزی است خوش و بهوانه گرم است و نه  
 ابر از رخ گلزار همی شنوید کرد  
 ببسل زبان حال خود با گل زرد  
 فریاد همسای کنده می باید خورد

\*

На иссиқ, на совуқ, чиройли баҳор  
 Булут гул юзидан ювади губор.  
 Сарик гулга булбул юрак тилидан  
 Фарёд қилиб дейди: «Май ичмоқ даркор!»

\*

Не холоден, не жарок день чудесный.  
 Цветы лугов обрызгал дождь небесный.  
 И соловей поет — мы будем пить! —  
 Склоняясь к розе смуглой и прелестной.



ناگرده گناه در جهان کیست بگو      وانگس که کند نکر و چون زیست بگو  
 من بدکنم و تو بد مکافات دهی      پس فرق میان من و تو چیست بگو

\*

Ахир, бу оламда бегуноҳ ким бор?  
 Нечук яшай олди, бўлмай гуноҳкор?  
 Ёмонлик қайтарсанг ёмонлигимга  
 Фарқимиз не бўлди, айт, парвардигор!

\*

Скажи: кто не покрыл себя грехами,  
 Ты, добрыми прославленный делами?  
 Я зло творю, ты воздаешь мне злом,  
 Скажи мне: в чем различье между нами?



سیر آدم ای خدای از هستی خویش      وز تنگدلی و از تمهید هستی خویش

از نیست تو هست میکنی بیرون آ      زین نیستی ام بجزمت هستی خویش

\*

Тўйдим қашшоқ, дилтанг ҳаётдан бутун,  
Эй оллоҳ, кўрсатгил қудратинг бугун.  
Йўқни бор қиласан, йўқликдан чиқар —  
Мени ҳам, борлигим ҳурмати учун.

\*

Пресытился я жизнью своей — исполненной суеты,  
Пресытился бедами и нищетой! О господи, если ты  
Вывел из небытия бытие, то выведи и меня —  
Во имя твоего бытия — из горестной нищеты!



خالق تولى و مراچىن ساختى      ستمى وترانه و لب ختلى

چون روز ازل مراچىن ساختى      از بچه در دوزخم انداختى

\*

Тангри, ўзинг шундай яратдинг мени,  
 Маю чолғувчига қаратдинг мени.  
 Азалда шу хилда яратиб қўйиб,  
 Нечун дўзахингга қулатдинг мени?!

\*

Ты — творец, и таким, как я есть, я тобой сотворен.  
 Я в вино золотое и в струны, и в песни влюблен.  
 В дни творенья таким ты создать и задумал меня.  
 Так за что же теперь я в геенне гореть обречен?



خیزد و بخور غم جهان گزدان      بنشین و دی بشت دمانی گزدان  
در طبع زمانه گر وفائی بودی      هرگز بتو نوبت نشدی از دیگران

\*

Бунчалик ғам ема, ўткинчи — жаҳон,  
Бир дамлик умрингда бўл шоду хандон.  
Бошқалар кетидан келмасди навбат,  
Вафо нималигин билганда даврон.

\*

Встань, не тужи! Что печалью о бренном томиться?  
К нам приходи, чтоб за чашею повеселиться.  
Если бы нравом судьба постоянна была,  
То и тебе никогда не пришлось бы родиться.



وہقان قضا بسی چو ماکشت درو غم خوردن بھیسوده نمیدارد سود

پرکن قدح می به کفم در نہ زود تاباز خورم کہ بود نیچہ ہمہ بود

\*

Фойда йўқ, беҳуда чекмакликдан ғам,  
Чарх минглаб биздекни экди, ўрди ҳам.  
Қадаҳни тўлдириб қўлимга тут тез,  
Бўлари бўлди деб, ичайин бирам.

\*

Тщетно тужить — не найдешь бесполезней забот,  
Сеял и жал поколенья до нас небосвод.  
Кубок налей же скорей! Подай мне его!  
Все, что случилось, давно решено наперед.



يارب تو كريمى و كريمى كرم است      عاصى زچه روبرون زيان ازم است  
 با طاعتسم ارفعو كنى نيت كرم      با عصيتم اگر بخشى كرم است

\*

Ё раб, сен Каримсен, карими карам.  
 Нечун осийларга берк боғи Эрам.  
 Сиғинсам, кечирсанг — бу карам эмас,  
 Гуноҳим кечирсанг — карамдур, карам.

\*

О боже! Милосердьем ты велик!  
 За что ж из рая изгнан бунтовщик?  
 Нет милости прощать рабов покорных, —  
 Прости меня, чей бунтом полон крик!



چون چرخ بکام یک فرومند گشت      تو خواه فلک سفت شمر خواهی گشت

چون باید مُرد و آرزو تا هم به گشت      چه مورخورد بگور چه گرک بدشت

\*

Бир доно коми-ла чарх айланмайдир,  
Сонини саккиз де, етти барибир.  
Улгач-ку қолмайди орзунг, танангни  
Гўрда чумоли ер, ё қирда қашқир.

\*

Считай хоть семь небес, хоть восемь над землей, —  
Ведь не изменит их движенья разум твой.  
Раз нужно умереть, не все ль равно: в гробнице  
Съест муравей тебя иль волк в глуши степной.



ساقی دل من زمرود فرسوده تراست      گوزیر زمین ز من دل آسوده تراست

پر چند بخون دیده دامن شویم      دامان ترم ز دیده آلوده تراست

\*

Соқи, дилим хароб ўлик жондан ҳам,  
Ўлик ер остида ётар хотиржам.  
Қон ёшим этакни шундай юварки,  
Этагим кўзимдан ифлосроқ ва нам.

\*

Виночерпий! Что делать мне с сердцем моим?  
Мертвым лучше в могиле, спокойнее им.  
Сколько раз я ни каялся, сколько ни плакал,—  
Все грешу! Очевидно, я — неисправим.



خواہی کہ اس عمر محکم پای یکچند بہ گیتی دل خستہ مایی

از خوردن می دمی تو فارغ متشین تالذت عمر را داماد م یابی

\*

Қилай десаңг умринг асосин маҳкам,  
Ва кўнглинг дунёда бир бора ҳуррам.  
Шароб сибқармоқдин бўшама ҳечам,  
Топгайсан умрингдан лаззат дамо-дам.

\*

Если хочешь, чтоб крепкой была бытия основа  
И хотя бы два дня провести без унынья злого,  
Никогда не чуждайся веселья и пей всегда,  
Чтоб успеть все улады испытать из фнала земного.



سستی مکن و فریضه را بگذار  
 وین لقمه که داری ز کسان باز مدار  
 در خون کس مال کسی قصه مکن  
 در غصه آن جهان منم باوده پیار

\*

Kўp сусткашлик қилмай ўтказ намозинг,  
 Барча билан баҳам кўр кўпу озинг.  
 Қасд қилма бировнинг молу жонига,  
 У дунё, мен кафил, бер маю созинг.

\*

Будь решительным! От обрядов пустых отказаться пора  
 давно,  
 Не скупись, делись и с другими тем, что тебе судьбою  
 дано.  
 В этом мире не покушайся на жизнь и достаток бедных  
 людей.  
 Головой отвечаю — ты будешь в раю. Так проворней  
 неси вино!



شب نیست که عقل در تحیر نشود      وز گریه کنایه من پر از در نشود  
 پرمی نشود کاسه سر از سودا      هر کاسه که سرنگون شود پرمی نشود

\*

Ақл лол бұлмаган тун йўқ, ажабо,  
 Инғидан этакка дур тўлмас, аммо,  
 Тўлдирилмас бошим косасин савдо,  
 Тўнкарилган коса тўлмайди асло.

\*

Деяньями этого мира разум мой сокрушен.  
 Мой плащ на груди разодран, ручьями слез орошен.  
 Фиал головы поникшей познания вином не наполнить —  
 Нельзя ведь сосуд наполнить, когда опрокинут он.



ٻاڻ توه ڪوئي ڀڃي ڪوئي اڙڪين ڪوئي  
 پيو ته مرا ملو ڀڄي وين ڪوئي  
 من مستر فم بد ڀڃي ڪوئي  
 انصاف بدو ٿا رسداين ڪوئي

\*

Менга нима десанг адовату кин.  
 Менга доим дейсан: «Имонсиз, бедин».  
 Мен бунга икрормен, лекин җаммаси  
 Ўзингга тегади, яхши ўйлагин.

\*

Внимаю я твоим укорам, как слову злобного навета, —  
 Безбожником меня зовешь ты, гулякой, поношением  
 света.  
 Я признаю: ты прав, я грешен, но на себя взгляни сначала.  
 Скажи по правде: ты мне разве достоин говорить все это?



ابرآمد و باز بر سر سبزہ کریت بی بادہ گلزنک نمی باید ریت  
 این سبزہ کہ امر و تماشا گاہ است تا سبزہ خاک ماتماشا کہ کیست

\*

Саѡзага ёш тўкди булут келибоқ,  
 Жуда ҳайф қирмизи майсиз яшамоқ.  
 Бизларга сайр жойи ҳозир бу ўтлоқ,  
 Қимга сайргоҳ бўлур бизларнинг тупроқ.

\*

Вновь из тучи над лугом слезы молча текут.  
 Без вина в этом мире мудрецы не живут.  
 Стебли тонких травинок мы видим сейчас,  
 Кто ж увидит травинки, что из нас прорастут?



از بودنی ای دوست چه داری تیار      وز فکر ت سیهوده دل و جان بکار  
خرم بزی و جبهان بشادی گذران      تپسیر نه باتو کرده اند اول کار

\*

Тирикликдан нима ғаминг бор, э ёр,  
Беҳуда фикрдан дил-жонда озор,  
Қувшоқ яшагилу умринг шод ўтказ,  
Тақдир қўлингдамас, нима чоранг бор?!

\*

Что будущею занят ты судьбой,  
Терзаешься бессмысленной борьбой?  
Живи беспечно, весело. Вначале  
Не посоветовались ведь с тобой.



گر بر فلکم دست بُدی چون یزدان برداشتمی من این فلک را از میان  
از نو فلکی دیگر چنان ساختی کا زاده بکام دل رسیدی آسان

\*

Фалакка ҳукм этар тангридай бўлсам,  
Фалакни қилардим ўртадан барҳам.  
Янгидан шундай бир фалак тузардим,  
Яхшилар тилакка етарди ул дам.

\*

Когда б я был творцом — владыкой мироздания,  
Я небо древнее низверг бы с основанья  
И создал новое — такое, под которым  
Вмиг исполнились бы все добрые желанья.



ای پیرشده دمندیکه تر بر خیزه      وان کودک خاک بیز را بگریز  
پندشده و گو که نرم نرمک می بیز      مغز سر کقیباد و چشم پرویز

\*

Э донишманд кекса, тургил эртароқ,  
Тупроқ элаётган болага бир боқ,—  
Ва унга дегилки: «Эла секироқ,  
Кай боши, Парвизнинг кўзи бу тупроқ».

\*

О мудрый, утром раньше встань, когда кругом прохлада,  
О погляди, как мальчик пыль взметает за оградой.  
Ты добрый дай ему совет: «Потише! Не пыли!  
Ведь эта пыль — Парвиза прах и сердце Кей-Кубада».



میلم به شراب ناب باشد وایم گوشم به فی و رباب باشد وایم  
 گر خاک مرا کوزه گران کوزه کنند آن کوزه پر از شراب باشد وایم

\*

Истагим майи ноб бўлгани-бўлган,  
 Тинглаганим рубоб бўлгани-бўлган.  
 Менинг тупроғимдан кўза қилсалар,  
 У ҳам тўла шароб бўлгани-бўлган.

\*

Жаждой вина огневого душа моя вечно полна.  
 Слуху потребны напевы флейт и рубаб струна.  
 Пусть после смерти кувшином я стану на круге  
 гончарном, —  
 Лишь бы кувшин этот полон был чистым рубином вина.



چون نیست در این زمانه سودی ز خرد جز بخت و از زمانه برمی نخورد

پیش آرا از آنکه خسروم را ببرد باشد که زمانه سوی ما به بگردد

\*

Бу замон ақлдан фойда йўқ зинҳор,  
Ақлсиз кишига жаҳон унумдор.  
Ақлимни олғувчи нарсани келтир,  
Шунда зора замон менга бўлгай ёр.

\*

Уж если в наше время разум и бесполезен, и вредит,  
И все дары судьба невежде и неразумному дарит,  
Дай чашу мне, что похищает мой разум: пусть я  
поглупею —  
И на меня судьба, быть может, взор благосклонный  
обратит.



گل گفت کہ من یوسف مصر ہستم      یاقوت گرانہ پایہ پر زر ہستم  
 گفتہ چو تو یوسفی نہی نہاے      گفتا کہ بخون غرق مگر یہ ہستم

\*

Гул дер: Мен Юсуфман Миср — чаманда,  
 Ёқутдан қимматроқ зар тўла ханда.  
 Дедим: Юсуф бўлсанг, кўрсат нишона,  
 Деди: Боқ, қонлидир кўйлагим танда.

\*

Сказала роза: «Я Юсуф египетский среди лугов,  
 Как драгоценный лал в венце из золота и жемчугов».  
 Сказал я: «Если ты — Юсуф, примета где?» А роза мне:  
 «Взгляни на кровь моих одежд и все ты сам поймешь  
 без слов».



مايم وى وىطرب و اين كنج خراب جان و دل و جام و جامه پردر شرا  
 فارغ ز اميد رحمت و بيم عذاب آزاد ز خاك و باد و از آتش و آب

\*

Харобада мену май, маъшуқ учов  
 Усти-бош, жону дил шаробга гаров.  
 Лутф умиди, азоб ваҳми писандмас,  
 Бизга бедахл шамол, тупроқ, сув, олов.

\*

Я с вином и возлюбленной позабыл и нужду и труды,  
 Я не жду милосердия, до судилища нет мне нужды.  
 Отдал душу и сердце и одежду в залог за вино, —  
 Я свободен от воздуха, от земли, и огня, и воды.



موجود ہر آنچہ ہست نقشست خیال عارف نبود ہر کہ نداند این حال  
 بنشین قدحی بادہ بنوش و خوش باش فارغ شو ازین نقش خیالات محال

\*

Дунёда бор нарса, бари нақш, хаёл,  
 Орифмас, кимгаки маълуммас бу ҳол.  
 Бир коса май ичиб ҳушинг йиғиб ол,  
 Бу нақшу хаёлдан фориғ бўл дарҳол!

\*

Все, что есть, — только вымысел, сном улетает,  
 И не избранный тот, кто о том не узнает.  
 Сядь, испей эту чашу и развеселись!  
 Пусть тебя сожаленье потом не терзает.



نقشی است که بر وجود ما ریخت  
صد بو العجیبی ز ما بر این ریخت  
من زان به ازین نمیتوانم بودن  
کز بوتہ مرا بدین صفت ریخت

\*

Вужудимизгаки не нақш солибсан,  
Юзлаб ажойибот биздан олибсан.  
Мен бўла олмайман бундан яхшироқ,  
Ясашда сен ўзинг шундоқ қилибсан.

\*

Жизнь, как роспись стенная, тобой создана,  
Но картина нелепостей странных полна.  
Не могу я быть лучше! Ты сам в своем тигле  
Сплав мой создал; тобою мне форма дана.



دانی که سپیده دم غروب عری  
 هر لحظه چرا همی کُشد نوحه گری  
 یعنی که نمودند در آئینه صبح  
 که عمر شبی گذشت و تو غیبه

\*

Нечун, биласанми, хўроз ҳар саҳар  
 Туриб, мотамзада оҳ-нола қилар.  
 У бизга дейдики: «Тонг ойнасида  
 Умрингдан тун ўтди, сенчи беҳабар!»

\*

Ты склонен давать объяснения различным приметам, —  
 О чем так тревожно петух голосит пред рассветом?  
 Он в зеркале утра увидел: еще одна ночь  
 Ушла невозвратно. А ты и не ведал об этом?



با این دوسه نادان که چنان میدانند      از جهل که دانای جهان ایشانند  
 خراباش که انسان زخری چندانند      هرگونه خرسست کافرش میخوانند

\*

Ўзни доно билган у уч-тўрт нодон  
 Эшак табиатин қилур намоён.  
 Булар суҳбатида сен ҳам эшак бўл,  
 Бўлмаса «кофир» деб қилишар эълон.

\*

Те трое — в глупости своей неимоверной —  
 Себя светилами познания чтут, наверно.  
 Ты с ними будь ослом. Для этих трех ослов  
 Кто вовсе не осел — тот, стало быть, неверный.



این کوزه چون عاشق زاری بوده  
در بند سر زلف نگاری بوده است

این دست که در گردن او می بینی دستیت که برگردن یاری بوده است

✱

Бу кўза мен каби ошиқ зор эди,  
Севгани қаро соч бир нигор эди.  
Кўза бўйнидаги даста бир маҳал —  
Қўл эди, ёр қучиб бахтиёр эди.

Кувшин мой был прежде влюбленным, все муки мои он познал.  
Кудрей завитками плененный, как я, от любви изнывал.  
А ручка на шее кувшина, наверно, когда-то была  
Рукою, которою шею возлюбленной он обнимал.



میسلم ہر باروی چو گل پیوستند  
دستم ہر باس غرومل پیوند

از ہر جزوی نصیب خود بردارم  
زان پیش کہ جزو نا بگل پیوند

\*

Таъбим — юзи гулга пайванд бўлади,  
Қўлим — жоми мулга пайванд бўлади.  
Ҳар жузвдан олайн насибам, чунки —  
Жузвлар бари кулга пайванд бўлади.

\*

Я к ланитам, подобным розе весной, тянусь,  
Я к кувшину с вином и к чаше рукой тянусь.  
Прежде чем рассыплется в прах мой живой сосуд,  
Долю взять я от радости каждой земной тянусь.



Хайям алрозияде сесті خوشباش      بامهرخی اگر نشستی خوشباش  
 چون عاقبت کار جهان نیستی است      انگار که نیستی چو هستی خوشباش

\*

Хайём, ичкиликдан кайф қилиб, шод бўл,  
 Бир дам гўзал билан ўлтириб, шод бўл.  
 Жаҳонда ҳар ишнинг поёни йўқлик,  
 Йўқлигу бирлики бир билиб, шод бўл.

\*

Хайям, если ты вином опьянен, — благодарствуй судьбе,  
 Если с возлюбленной уединен, — благодарствуй судьбе,  
 Конец, истребленье — явлений всех завершенье,  
 Пока ты смертью не истреблен, — благодарствуй судьбе.







تأبوانی غم جهان پیچ سنج      بر دل من از آمده و نمانده رنج  
خوش منخور و میانش در این دیر پیچ      با خود نبردی جوی اگر داری گنج

\*

Жаҳонда гам ема қўлингдан келса,  
Яхшимас бор-йўқдан дил дардга тўлса,  
Беш кунлик дунёда шодлик-ла еб-ич,  
Бир дон элтолмассан хазинанг бўлса.

\*

Коль можешь, не тужи о времени бегущем,  
Не отягчай души ни прошлым, ни грядущим.  
Сокровища свои потрать, пока ты жив;  
Ведь все равно в тот мир предстанешь неимущим.



انگروشن روزگار چندی برگیر  
بر تخت طرب نشین دست اغریز گیر

انوطاعت و معصیت خدا مستحق است  
باری تو مراد خود ز عالم برگیر

\*

Олам гардишидан ўз баҳрангн ол,  
Шодлик тахтида мин, қўлда май ҳалол.  
Бўйсунсанг-сунмасанг, худо зор эмас,  
Оламда бахтингни ўринлатиб қол.

\*

Ты бери свою долю из круговорота времен,  
Восседай на престоле веселья, вином опьянен.  
Нет заботы аллаху — покорны мы иль непокорны,  
Здесь возьми свое счастье, бог — смертных извечный закон.



در خواب بُبیم مرا خردمندی گفت      که خواب کسی را کل شادی گفت

کاری چکن که با اجل باشد گفت      می خور که زیر خاک می پدید گفت

\*

Бир кунн тушимда қари билимдон,  
Деди: уйқу билан бахт кулмас, нодон.  
Эрта кун ажалга бўламиз қўшоқ,  
Ичиб қол, тунроқда ухларсан ўбдон.

\*

Во сне сказал мне пир: «Покинь свою кровать,  
Ведь розу радости нельзя во сне сорвать.  
Ты, леженок, все спишь, а сон подобен смерти.  
Встань! Ведь потом века тебе придется спать!»



تاکی غم آن خوری که داری یانی    وین عمر بخوشدلی گذاری یانی  
 پرکن قدح باد که معلومت نیست    کاین دم که فروبری برآری یانی

\*

Токай бору йўқнинг ғамини ейман,  
 Токай умрим яхши ё ёмон дейман.  
 Қадаҳ бер, маълуммас олган нафасим,  
 Қайғиб чиқараман ё чиқармайман.

\*

Долго ли мне тужить о том, что давно решено,  
 И хорошо ли прожить мне век судьбою дано?  
 Выдохну я этот вдох или нет — и сам я не знаю,  
 Ну, так скорей в эту чашу чистое лей мне вино!



يارب بگشای بر من از رزق دری بی منت این خسان رسان ماحری

از باوه چنان مست گداز مرا کز یخبری نباشدم در و سری

\*

Эй оллоҳ, оч менга ризиқнинг эшигин,  
Махлуқ миннатисиз ризқимни бергин.  
Соф бодадан мени шундоқ маст қилки,  
Хабарсиз ўтказай бошим оғригин.

\*

Открой мне, боже, дверь твоих щедрот,  
Дай хлеб и все, чем дольный прах живет.  
И до беспамятства мне дай униться,  
Чтоб никаких не ведал я забот.



هشدرجا که گلی ولاله زاری بوده است      از سرخی خون شیریناری بوده است

هشدرجا که بنفشه از زمین میروید      خالی است که بر رخ نگاری بوده است

✱

Қайдаки гулзордир, шан лолазордир,  
У ерда шаҳриёр — шох қони бордир.  
Қайдаки бинафша унади ердан,  
Бир гўзал холи эди, энди ғубордир.

✱

Где б ни адел тюльпан и роза ни цвела,  
Там прежде кровь царей земля в себя впила.  
И где бы на земле ни выросла фиалка,  
Знай — родинкой, она красавицы была.



زانکه طوع و مصلحت از حق باشد باید که بکف می مروق باشد

مشهورین است که حق تلخ بود باید که بدین دلیل می حق باشد

Эрта тонг нуруни сочганда офтоб,  
Кўлинигда тўла жом бўлмоғи савоб,  
Ҳақиқат аччиқдир, деган ган бор-ку,  
Шу далил билан ҳақ экан майи ноб.

Чуть утром голубым блеснет просвет окна,  
Кристалльный мой фиал налейте до полна.  
Ведь люди говорят, что истина горька,  
Не скрыта ль «Истина» и в горечи вина?



در دل نتوان درخت اندوه نشاند همواره کتاب خرقی باید خواند

می باید خور و کام دل باید راند پیداست که چند در جهان خواهی تا

\*

Хуррамлик китобин ўқимоқ керак,  
Дилда ғам кўкати ўсмасин андак.  
Май ичиб, истагинг ўринлат доим,  
Маълумки, тез келур ўлимдан дарак.

\*

Зачем растить побег тоски и сожаленья?  
Читай и изучай лишь книгу наслажденья.  
Ты пей и все свои желанья исполняй!  
Ты знаешь сам давно, что жизнь — одно мгновенье.



بش داک روزگار شور انگیز است ایمن منشین که تیغ دوران تیز است

ارکام تو کو زمانه لوزین نه ز غبار فروغ که زیر آینه است

\*

Хушёр бўл, ёғдирар бало бу жаҳон,  
Хотиржам ўтирма, наштар бу даврон.  
Оғзингга ширинлик солганида ҳам  
Зинҳор юта кўрма, оғуси пинҳон.

\*

Не будь беспечен на распутьях дней  
И знай: судьба — разбойника страшней.  
Судьба тебя халвою угощает, —  
Не ешь: смертельный яд в халве у ней!



يون حاصل آوى درين دیرودور      جز خون دل و داوون جان نیست که

خسرم دل اندکینفس زنده نبود      واسوده کسیکه خود نژاد از مادر

Кўш эшик дунёда қўним йўқ андак,  
Мева йўқ, қон бўлиб ўлишдан бўлак.  
Шодмондир бир нафас яшамаганлар  
Онадан тугмаган роҳатда бешак.

В обители о двух дверях, чем, смертный, ты обогащен?  
Ты, сердце в муках истерзав, на расставанье обречен.  
Поистине блажен лишь тот, кто в этот мир не приходил.  
Блажен, кто матерью земной для жизни вовсе не рожден.



يارب بدل اسير من رحمت كن      بر سينه غم پذير من رحمت كن  
بر پاي خرابات رو من بخشاي      بر دست نباله گير من رحمت كن

Е раб, асир дилимга раҳмат бағишла,  
Сийнам — ғам соҳилимга раҳмат бағишла,  
Майхонага югурган оёғим кечир,  
Қадаҳгир қўлимга раҳмат бағишла.

Смилуйся, боже, над сердцем моим, плененным земной  
суетой!  
Смилуйся и над моею рукой, что тянется за пиалой!  
Ноги прости мои! Это они в майхану уносят меня!  
Смилуйся и над моею рукой, что тянется за пиалой!



مشنو سخن از زمانه ساز آمدگان می خواه مروق به طراز آمدگان

رفتد یگان یگان فراز آمدگان کس می ندید نشان باز آمدگان

\*

Замонасозларнинг сўзларидан кеч,  
Гўзаллар қўлидан шароб сўраб ич.  
Дунёга келганлар бир-бир кетдилар,  
Қайтганларин ҳеч ким кўрсатолмас ҳеч.

\*

Ты, мудрец, не слушай людей, что покорствовать небу  
велят.

Утешайся чистым вином, пусть красавицы радуют  
взгляд!

Приходившие в этот мир все ушли — один за другим.  
И никто не видел нигде возвратившегося назад.



هسته فربه که بر روی زمین بود است  
خوشیدرنی ز هسته چینی بوده است

گرو از رخ نازنین بآزرم نشان کان هم رخ وزلف نازنینی بوده است

Бу ернинг юзида ҳар зарраки бор,  
Бир замон бўлмишди ой юзли дилдор.  
Нозанинлар юзин гардин аста арт,  
Гўзал чехра эди бир вақт бу ғубор.

**Здесь каждая пылинка праха, что к ночи на землю  
  легла,**

Была частицей тела пери, сияньем юного чела.  
Пыль вытирая, осторожно касайся розовых ланит.  
Ведь эта пыль благоуханным, быть может, локоном  
была.



این کوزه که آبخواره مزدور است از دیده شاهی دول دستور است

هر کاسه می که در کف محمور است از عارض مستی و لب دستور است

Бу кўзаданки сув ичар мардикор,  
Бунда шохнинг кўзи, саркор дили бор.  
Маст руҳеори, мастон лаъли лабидан  
Бўлган майи хўнам сипқарар хумор.

Кувшин, в который наливают вино для грузчиков  
Гончар лепил из илоти шахов, когда-то временем  
И эта глиняная чаша, что ходит по рукам гуляк,  
Воинкля из ланит румянык и уст красавиц погребеннык.



تاراه قلندری نیونی نشود خستاره بخون دل نشونی نشود

سوداچه پزی که تا چود لسو حشمان آزاد بترک خودنگونی نشود

Қаландар йўлидан юрмасанг булмас,  
Қонинг-ла юз юйб турмасанг булмас.  
Бу куруқ савдонй пиширолмассан,  
Ўзликдан кечиб, оҳ урмасанг булмас.

Пока в дорогу странствий не сберешься, — не выйдет  
ничего,

Пока слезами мук не обольешься, — не выйдет ничего.

О чем скорбишь? Покамест, как влюбленный,

Ты от себя совсем не отречешься, — не выйдет ничего!



در دس چو آواز گل تازه دهند      فستقهای بتاکه می باندازه دهند

از جور قصور و در بهشت و دوزخ      فارغ بنشین که آن سر آوازه دهند

\*

Овоза тарқалса: чиқди янги гул,  
Ой юзли гўзалим, шароб келтиргил.  
Уйлама дўзаху, жаннату ҳурни —  
Ҳаммаси овоза, яйраб ўлтиргил.

\*

Чуть алою розою ранняя вспыхнет весна,  
Вели, мой кумир, чтобы в меру нам дали вина.  
О гуриях и о чертогах, о рае и аде  
Не думай, все — сказка, все — выдумка только одна.



هه راز که اندر دل دانا باشد    باید که نهفت ترز عیناً باشد

گاندر صدف از نهفتگی گردود    آن قطره که راز دل دریابا شد

\*

Хар сирни дилида сақласа доно,  
У яширин бўлсин мисоли анқо,  
Садафнинг ичида қатра дур бўлур —  
Сир қилиб қалбида яшургач дарё.

\*

Ведь каждая тайна у мудрого в сердце и взоре  
Скрываться должна, как Симург среди Кафских  
нагорий.  
От капли, попавшейся в жемчужницу, жемчуг рождается,  
Но это есть таинство сердца глубокого моря.



هنگامی که دل من از علم محروم شد      گفتم ماند از اسرار که معلوم شد  
هفتاد و دو سال فکر کردم و روز      معلوم شد که هیچ معلوم نشد

Дилим илмлардан маҳрум бўлмабди.  
Бир сир қолмадики маъхум бўлмабди.  
Тушу кун ўйладим етмиш икки йил,  
Онгладим — ҳеч нарсa маълум бўлмабди.

Не была познания жажда чуждой сердца моего,  
Мало тайн осталось в мире, не доступных для него.  
Семьдесят два долгих года размышлял я дни и ночи,  
Лишь теперь уразумел я, что не знаю ничего.



بیم دانه امید به خرمین ماند      هم باغ و سه ای بی تو دمن ماند

بیم وز خوشش از درمی تابجوی      بادوست بخور گزند به دشمن ماند

\*

Умидлар донаси хирмонда қолур,  
Боғу роғ на санда, на манда қолур.  
Симу зар тўплама, дўстлар-ла еб-ич,  
Бўямаса, ҳаммаси душманда қолур.

\*

Ни зерна надежды на гумне пустом.  
Мы с тобой уйдем, покинем сад и дом,  
Серебро, вино и хлеб истрать с друзьями,  
Или все врагу достанется потом!



دشمن بغض گفت که من فلسفی ام    ایرد واند که آنچه او گفت فی ام  
لیکن چو دین غم آشیان آمدم    آخر کم از آنکه من بدانم که کی ام

\*

Мени файласуф деб, ёв қилур хато,  
Мен ундай эмасман, билади худо,  
Шу қайғу уйига келгач, ўзимни —  
Ким билсам, ўшандан камроқман ҳатто.

\*

Мой враг меня философом нарек, —  
Клевещет этот злобный человек!  
Будь я философ, в эту область горя  
На муки не пришел бы я вовек!



يکروز ز بند عالم آزاد نيسم    يکدمزدن از وجود خود شاد نيسم  
شاگردی روزگار کردم بید    در کار جهان هنوز استاد نيسم

\*

Олам тузоғидан озод эмасмиз,  
Бир нафас олмоқдан ҳеч шод эмасмиз,  
Ҳаётга кўп шогирд бўлдигу ҳануз —  
Дунёнинг ишига устод эмасмиз.

\*

Нет облегченья от оков мирских,  
Безрадостна пустыня дней моих,  
Я долго у судьбы людской учился,  
Но ловкачом не стал в делах земных.



واسترار زمانه گفت می توانم

خوشید بگل نهفت می توانم

وری که بیم سفت می توانم

از بخت فکر بد آوردن

Этак бирла кунни тўса олмайман,  
Қисмат сирларини еча олмайман.  
Фикр денгизидан дур тонди ақл,  
Кўрқувдан бу дурни теша олмайман.

Солнце розами я заслонить не могу,  
Тайну судеб словами раскрыть не могу.  
Из глубин размышлений я выловил жемчуг,  
Но от страха его просверлить не могу.



مايم که اصل شادي و کان غميم      سرمايه واديم و تحاد شميم  
چستيم و بلنديم و کماليم و کميم      اينده زينت خورده و جام جميم

\*

Хуррамлик асоеи, қони алам биз,  
Ситам асли, ала моаси ҳам биз.  
Пастмизу бадамиз, етукмиз, қам биз,  
Замг боеган оила ҳам Жами Жам биз.

\*

Мы — основа веселья, мы — бедствия рудные горы.  
Мы — насилия корень, мы правды воздвигли опоры.  
Низки мы и высоки, как ржавое зеркало, тусклы,  
И, как чаша Джамшида, блистаем и радуем взоры.



من می نه ز بهر گنجستی نخورم      یا از غم رسوائی و سستی نخورم  
 من می ز برای خوشدلی میخورم      اکنون که تو بردم نشستی نخورم

\*

Уйлама, пулсизу ночор ичмайман,  
 Расволикдан қилиб ё ор, ичмайман.  
 Мен майни дилхушлик учун ичардим,  
 Бу кун-чи, қалбимда сен бор, ичмайман.

\*

Я не от бедности решил вино забыть,  
 Не в страхе, что начнут гулякою бранить.  
 Я для веселья пил. Ну, а теперь — другое:  
 Ты — в сердце у меня, и мне не нужно пить.



بىر ياك چىدى يىكى بر آيد كه منم      با نعمت و با سيم و ز آيد كه منم  
 چون كاك او نظام گيت در روز      ناك اجل از كمين در آيد كه منم

\*

Бирор киши чиқиб ҳар замон, мана Мен, дейди.  
 Молу симу зари бор чунон, мана Мен, дейди.  
 Иши ривож топиб турганда, бир куни ажал —  
 Пистирмадан чиқиб ногаҳон, мана Мен, дейди.

\*

Порой кто-нибудь идет напролом и нагло кричит: —  
 Это я!  
 Богатством кичится, звенит серебром и златом  
 блестит: — Это я!  
 Но только делишки настроит на лад — и знатен,  
 глядишь, и богат,  
 Как из засады подымется смерть и говорит: — Это я!



فقس که درین منزل بیدار بدن در دست نخواهد بود از یاد بدن

آزاد باید برگ من شاد بدن که دست اجل تواند آزاد بدن

\*

Мен кетдим, чунки бу жаҳони бедод,  
Бунда янамоқиниғ охири барбод.  
Ким қочиб қутулса ажал дастидан,  
Майли, ўша бўлсин ўлимидан шод.

\*

Я из пределов лжи решил сокрыться.  
Здесь жить — лишь сердцем попусту томиться.  
Пусть нашей смерти радуется тот,  
Кто сам от смерти может защититься.



از کوزه گری کوزه خستیدیم باری آن کوزه سخن گفت ز هر آساری

شاهی بودم که جسام ز رستم بود اکنون شده ام کوزه هر خماری

\*~\*

Кўзагардан кўза олгандим бир кун;  
Бир сўз деб чиқарди кўза сирли ун;  
Шоҳ эдим, кўлимда олтин жом эди;  
Хумор бошли кўза бўлибман бугун.

\*~\*

Я для вина кувшин себе у гончара достал;  
Пил из него. И вот кувшин мне тайну прошептал:  
«Я шахом был, вино я пил из чаши золотой,  
Теперь у пьяницы в руках кувшином винным стал!»



گر کار فلک بدل سنجیدہ بی احوال فلک حمد پسندیدہ بی  
 و عدل بی بکار داد گردون کی خاطر اہل فضل رنجیدہ بی

\*

Тўғрилиқ бўлсайди фалакнинг иши,  
 Ёқтирган бўларди уни ҳар киши.  
 Дунёнинг ишида бўлса адолат,  
 Бўлмасди донолар кўнглин оғриши.

\*

Когда б небеса справедливо вершили дела,  
 Велениям неба не молкла бы в мире хвала,  
 Когда б от судьбы справедливость и милость явилась,  
 Ничья бы душа и в обиде тогда не была.



ایدل تو بایستار معما نرستی در نکتہ زیر کان دانانرستی

اینجا پوی عمل جہشتی میبازد کاینجا کہ بہشت است ری پانرستی

\*

Ә дил, бу жумбоқни ҳал этолмассан,  
Донолар сўзини сен айтолмассан.  
Май ичиб, шу ерда жаннат пайдо қил,  
Жаннатга етарсан ё етолмассан.

\*

Загадок вечных бытия едва ль откроешь ты ответ.  
Теченья мысли мудрецов ты не постигнешь за сто лет.  
Вставай и на лугу с вином свой рай отрадный создавай!  
Кто знает: попадешь в эдем ты после смерти или нет?



بخسيز تا پيار بر دل ، دل کن بجمال خویشتر شکل ،

يك كوزه شراب تا بهم نوش كنيم زان پیش كه كوزه ما گند از گل

✽

Тур, гўзал, очилсин баҳри-дилимиз,  
Жамолинг ҳал қилсин ҳар мушкулимиз.  
Тулпроғимиз кўза бўлмасдан бурун,  
Бир кўза ичайлик, жўйсин кўнглимиз.

✽

О кумир в сиянье красоты живом,  
Встань, подай скорее нам кувшин с вином.  
В светлом опьяненье разрешим сомненья,  
Прежде чем мы на кувшин пойдём.



گرچه غم و رنج من و دلازی دارد عیش و طرب توست و دلازی دارد

هر چه در دلم است که دوران فلک پرده هفت از کون باز می دارد

\*.

Менинг қайғуларим узундан-узок, . . .  
 Сенning қувончларинг чексиздир, бироқ. . .  
 Унга ҳам, бунга ҳам суяйма, чунки . . .  
 Ҳаммани бу фалак қидар ўйинчоқ. . .

\*.

Изнемогаю я, плачу, не осушая глаз, . . .  
 А ты в наслажденьях тонешь, ты радостен в этот час.  
 Но ты не кичись предо мной! — Вращение небосвода . . .  
 Таит нежданного много за темной завесой от нас. . .



از رنج کشیدن آدمی خسته گردد      قطره چو کشت جبرِ صدف در گردد

گر مال نماند سربازان و بجای      پیمان چو کشت تخیسی و گریز گردد

\*

Қийинчилик чекиб, одам ҳур бўлур,  
Садафда қамалиб, қатра дур бўлур,  
Мол кетса, бош қолур унинг ўрнида,  
Қадаҳ бўшатиlsa, қайтадан тўлур.

\*

Душой, перенесшей страданья, свобода обретена.  
Пусть капля томится в темнице — становится перлом она.  
Не плачь: если ты разорился, богатство еще  
возвратится,  
Пускай опорожнена чаша — опять она будет полна.







از جرم گل سیاه تا اوج زحل کردم همه مشکلات گلی را حل  
 بحث دوم بند های مشکل بحیل هر بند گشاده شد بحر بند اجل

\*

Қаро ер қаъридан то авжи Зуҳал —  
 Қоинот сирларин барин қилдим ҳал.  
 Кўп мушкул тугунни ечдим, онгладим,  
 Ечилмай қолгани — биргина ажал.

✽

От бездны мрачного Надира до кульминации Кейвана  
 Я разрешил загадки мира, трудясь над ними неустанно,  
 Труднейшие узлы вселенной распутал я проникновенно,  
 И лишь узла простого — смерти — не развязал я, — вот  
 что странно.



بحر خ فلک چاکسی چیش نشد      وز خوردن آدمی زمین سیر نشد  
مغز و بدانی که نخوردست ترا      تعجیل مکن هم بخورد ویر نشد

\*

Фалакнинг устидан ким топди зафар,  
Ер қачон одам еб тўйибди, магар —  
Мени емади, деб кеккая кўрма,  
Шошмай тур, кўп ўтмай навбатинг етар.

\*

Никто не победил грозящей силы неба  
И не насытился навек дарами хлеба.  
Кичишься рано ты, что цел и невредим, —  
Еще съедят тебя, когда придет потреба.



دین عالم پرقتنه و پر شوزین

ای دیده اگر کورنی کوربین

روای چومه در دین موربین

اشامان و سران و سروران بگلن

\*

Эй кўз, кўр бўлмасанг гўрдан бўл огоҳ,  
Фитна тўла олам, ҳар ён қайғу — оҳ.  
Чумоли оғзида ойдек ёноқлар,  
Ер қўйнида султон, сардор, подшоҳ.

\*

Око, если ты не слепо, видишь ряд надгробий старинных!  
Этот мир, соблазна полный, топит все в смятенных  
пучинах,  
Полководцы падишахи в землю темную погрузились.  
Видишь эти луны-лики на жадных челюстях муравьиных!



تا چنڊگني خدمت دومان وځسان      جان برسير طيز منډ چون مکن

ماڻي بدو روزخور مکش منت کس      خون دل خود خوي به ازمان کسان

\*

Токай пастлар хизматин ətасан бажо,  
Ҳар емишга пашшадек қилма жон фидо.  
Бир нонни икки кун е, тортма ҳеч миннат,  
Ўзга нонидан ўз дил, қонинг кўп авло.

\*

До коиx пор тебе пред низким склоняться головой?  
Зачем ты кружишься, как муха, над пищей даровой?  
Ешь за два дня одну лепешку, добытую трудом!  
Питаться кровью сердца лучше, чем хлеб вкушать  
чужой.



قانع بیک استخوان چو کرکس بودن به زانده طفیل خوان ناکس بودن

بانان جوین خویش ها که به است کالوده پیا لوده هر خس بودن

\*

Бир сўнгатка сордек қаноат қилғон  
Афзалдур нокасга бўлгандан меҳмон.  
Нокаснинг шиннилик нонидан яхши  
Ўзинг топиб еган бурда арпа нон.

\*

Доволен ворон костью на обед,  
Ты ж — прихлебатель низких столько лет!..  
Воистину своей хлеб ячменный лучше,  
Чем на пиру презренного — шербет.



گر آمدنم بخود بُدی نماندے در نیز شدن بمن بُدی کی شدے

بہ زان بُدی کہ اندرین دیر خراب نہ آمدنی نہ شدنی نہ بدے

\*

Келмоқ қўлда бўлса, келмасдим бир дам,  
Кетмоқ қўлда бўлса, кетмас эдим ҳам.  
Жуда соз бўларди бу ғамхонага  
Келмасам, турмасам, келиб кетмасам.

\*

Будь волен я — зачем мне приходить?  
Будь волен я — зачем мне уходить?  
Не лучше было бы в руины эти  
Не приходить. — Не уходить, не жить.



درگوش دلم گفتم فلک پنہانی حکمی که قضا بود ز من میگردانی  
 درگوش خوش اگر مراد است بدی خود را بر مانند می ز سرگردانی

\*

Фалак қулоғимга гапирди секин:  
 Қазо ҳукмин мендан кўрасан, лекин —  
 Айланишим бўлса эди қўлимда,  
 Ўзимни тўхтатиб, олар эдим тин.

\*

Шепнуло небо тайно мне в минуту вашего прозренья:  
 «Веленья гневные судьбы, ты думаешь, мои веленья?  
 Когда бы властно было я во всех деяньях бытия,  
 Я прекратило бы давно свое бесцельное круженье».



چون بیل مست راه در بستان فیت      روی گل و جام باده را خندان فیت

آمد بزبان حال در گوشم گفت      دریاب که عمر رفت را نتوان فیت

\*

Маст булбул йўл олди гулистон томон,  
Унда топди бода ҳам гули хандон.  
Юрак тили билан шивирлаб айтди:  
«Бўш қўйма, ўтган умр қайтмас ҳеч қачон!»

\*

Снова в сад прилетел соловей, улетевший давно,  
Видит розу в цвету и в смеющейся чаше — вино.  
Прилетел и на тайном наречьи мне звонко прощелкал:  
«Ты пойми: что ушло, никому воротить не дано».



فصل گل و طرف جویدار و لب کشت      بایک دوسه اهل و لغتی حور کشت

پیش آقده که باوده نوشتان صبح      آسوده ز مسجد و فارغ ز کشت

\*

Гул фасли, сув бўйи, кўкаламда гар  
Бўлса уч-тўрт улфат, ой юзли дилбар,  
Қадахни сипқарғил, тонгда ичганлар —  
Масжиду черковдан қутулгандирлар.

\*

В дни цветенья розы над потоком, в просторах полей,  
Средь смеющихся гурий вино свое в радости пей,  
Принеси нам фиалы! Ведь пьющие утром вино  
Не тоскуют о рае, не боятся и адских огней.



می نوش که عمر جاودانی اینست      خود حاصلت از دور جوانی نیست  
 هنگام گل و باره و یاران سرست      خوش باش دی که زندگانی نیست

\*

Май ич мангу ҳаёт, ҳайҳот, мана шу,  
 Ёшликнинг даврони, эй зот, мана шу.  
 Гул фаслида маю маст улфат билан  
 Бир дам ўйна, асти ҳаёт мана шу!

\*

Пей вино! В нем источник бессмертья и света.  
 В нем цветенье весны и минувшее лето.  
 Будь мгновенье счастлив средь цветов и друзей.  
 Ибо жизнь заключалась в мгновение это.



آن قهر که بصرام درو جام گرفت آهوی که کرد و روبه آرام گرفت  
 بهرام که گور میگرفتی بهر غم دیدی که چگونه گور بصرام گرفت

\*

Бу саройда Баҳром ичар эди жом,  
 Энди кийик, тулки олади ором.  
 Бир умр қулонлар овлар эди у,  
 Улимга қулондай овланди Баҳром.

\*

В чертоге том, где пировал Бахрам,  
 Теперь прибежище пустынным львам.  
 Бахрам, ловивший каждый день онагров,  
 Был, как онагр, пещерой пойман сам.



درکار که کوزه گرمی کردم رای    درپایه چرخ دیدم استادپای  
 میگرد و لیر کوزه را دسته و سر    از کله پادشاه و از دست گدای

\*

Кулол дўконига кирдим бир сафар,  
 Дастгоҳда ишларди уста кўзагар,  
 Гадо қўлидану шоҳнинг бошидан  
 Кўзанинг бўйни-ю дастасин ясар.

✽

Я видел гончара в толпе людей.  
 Вращая колесо ногой своей,  
 Кувшины, чашки делал он проворно  
 Из праха нищих, из голов царей.



بر من قلم قضای چو بی من رانند پس نیک و بدش چراز من میدانند

دی بی من و امروز چو دی بی من تو فروا بچ مجستم بداور خوانند

\*

Менсиз қалам сурмиш қазову қадар,  
Мендан нечун яхши-ёмоним сўрар?  
Кеча менсиз ўтди, ўтар бугун ҳам,  
Тонг-ла кун нима деб қилур жавобгар?!

\*

Если никто, у нас не спросясь, наши судьбы  
предначертал,  
Что же зло свое и добро нам с тобою он приписал?  
Ведь вчерашний день был без нас, как и завтра будет  
без нас,  
На каких же счетах все зло он тебе и мне присчитал.



د مړه پراته نیم نانی دارو    یاد خو خویش آشیانی دارو  
نه خادم کس نه بود نه مخدوم کسی    گوشت د بزی که خوش جهانی دارو

\*

Кимнингки бор эса бир бурда нони,  
Ўзига яраша уй-ошиёни,  
На биров унга қул, на у бировга,  
Айт, шод яшайверсин, хушдир замони.

\*

Кто пол-лепешки в день себе найдет,  
Кто угол для ночлега обретет.  
Кто не имеет слуг и сам не служит —  
Счастливец тот, он хорошо живет.



یکچند بکودکی پاستاوشدیم یکچند پاستادی خودشاوشدیم

یامان سخن شنو که مارا چه رسید از خاک درآمدیم و بر باد شدیم

\*

Ешликда биз шогирд, ўзгалар устод,  
Сўнгра устод бўлиб, дилни эгдик шод.  
Охири қаерга етишдик десанг,  
Тупроқдан чиқибок, бўлибмиз барбод.

\*

К устаду-старцу в детстве мы ходили  
И мудрости потом глупцов учили.  
Что с нами стало? — Вышли мы из праха.  
И тучей праха по ветру уплыли.



می خوردن و شاد بودن این من است      فارغ بودن ز کفر و دین دین من است

گفتم به عروس ده کاسین تو چیست      گفتا دل خرم تو کاسین من است

\*

Май ичиб қувнамоқ оиним менинг,  
Куфру дин билмаслик соф диним менинг,  
Дунё келинидан қалинин сўрдим,  
Деди: шод дилингдир қалиним менинг.

\*

Пить пиво, пировать во все дни — моя правая вера.  
Я не стану примером безбожника иль изувера.  
Я спросил: «Мне какой тебе мерой отмерить калым?»  
А она: «Твое сердце веселое — вот моя мера».



آمد سرک ندان میخانه ما  
 کای رند خراباتی دیوانه ما  
 برغیر که پر کنیم پیشمانی  
 زان پیش که پیر کسندیمان ما

\*

Саҳар садо берди бизнинг майхона.  
 Ки, о майхонамиз ринди — девона,  
 Тургил, паймонани тўлдир шаробга,  
 Ҳали тўлмай туриб бизнинг паймона.

\*

По утрам я слышу крики из окрестных кабаков:  
 «Эй несчастный ринд безумный, завсегдатай погребков!  
 К нам иди! И пусть нам кравчий поживей наполнит чаши,  
 Прежде чем вином наполнят чаши наших черепов».



چندان بخورم شراب کاین بوی شرا  
آید ز تراب چون روم زیر تراب

تأبر قبر من رسد مخموری  
از بوی تراب من شود دست و خراب

\*

Шундоғам ичайки, ўлсам ул шароб —  
Ҳиди мозоримдан чиқсин бурқираб.  
Ҳумори ўтаркан қабрим бошидан  
Иси элитсину айласин хароб.

\*

Я так упьюсь, что всей хмельною силой  
Дух винный встанет над моей могилой,  
Чтоб опьянел бредущий мимо ринд,  
Пропившийся, похмельный и унылый.



بُتْخَانَه وَكُعبَه بَندگی است      ناقوس زدن تَرانَه بَندگی است

مِحْرَاب وَكَلِيبَ وَتَسْبِیح وَصَلِیب      حاکمِهم نشانه بَندگی است

\*

Қаъбаю бутхона қуллик хонаси,  
Бутхона занги ҳам шум таронаси.  
Меҳробу калисо, тасбеҳу салиб —  
Барчаси қулликнинг бир нишонаси.

\*

Кааба и кабак — оковы рабства.  
Азон и звон церковный — зовы рабства.  
Михраб, и храм, и четки, и кресты —  
На всем на этом знак суровый рабства.



عُمرَت تا کی بخود پرستی گذرد      یاد پی نیستی و هستی گذرد  
 می نوشتن چنین عمر که غم در پی است      آن به که بخواب یا به هستی گذرد

Умринг қачонгача ўзим деб ўтар,  
 Иўқлик — борлик аро кездим деб ўтар.  
 Ичиб қол, ғам бўлгач умринг пайида,  
 Уйқу ё мастликда бир зумдек ўтар.

\*

Доколь, самовлюбленный ты глупец,  
 Терзаться будешь мукой всех сердец?  
 Жизнь проводи в блаженном опьяненье —  
 Ведь неизбежен гибельный конец.



چون باده خوری ز عقل بیگانه مشو      مدہوش مباش و جہل را خانه مشو

خواہی کہ می لعل حلاوت باشد      آزار کسی بجوی و دیوانہ مشو

\*

Ичганда ақлдан бегона бўлма,  
Эс жўйиб, жаҳлга сен хона бўлма.  
Истасанг қизил май ҳалол бўлишин  
Ҳеч кимни ранжитма, девона бўлма.

\*

Ты пей, но крепко разума держись,  
Вертепом варварства не становись.  
Ты пей, но никого не обижай.  
Ослаб — не пей, безумия страшись.



طبع نیم نماز و روزه چون مایل شد      گفتم که نجات کلی ام حاصل شد  
افسوس که آن وضو بیاد بی شکست      وان روزه به نیم جرعه می باطل شد

\*

Кўнглим бўлгач намоз — рўзага мойил,  
Дедим: буткул мурод бўлғуси ҳосил.  
Бир ел билан, афсус, еинди таҳорат,  
Рўзамни бир қултум май қилди ботил.

\*

В дни поста — в Рамазане — вина пиалу я испил,  
Не сознательно я шарията закон преступил.  
От мучений поста этот день показался мне ночью.  
Мне казалось, рассвет наступил — я и пост разрешил.



گاویت و آسمان و نامش پروین یک گاو دیگر سفید در زیر زمین  
چشم خردت باز کن از روی نقین نیر و زبرد و گاو منشی خربین

\*

Осмонда бир хўкиз номимиш Парвин,  
Бириси қуйида кўтарар замин.  
Кўзингни катта оч, қўш хўкиз аро  
Кўриб қўй қанчалаб эшак юрганин.

\*

Корова в небе звездная — Парвин,  
Другая — спит во тьме земных глубин,  
А сколько здесь ослов меж двух коров —  
Муж правды, это знаешь ты один.



چون عُمده نمیشود کسی فرودارا      حالی خوش داراین دل پر سودارا

می نوشتن بیا هتاب ای ماه که ماه      بسیار بتابند و نیاید مارا

\*

Тонгла уҳдасидан чиқолмас киши,  
Не ҳожат савдоли дилинг ташвиши!  
Ойдинда май ичгин, эй ой, биздан сўнг  
Ой бизни тополмас, кезиб ёз-қиши.

\*

Небо, о друг, не продлит нам жизнь ни на час.  
Радуйся ж! Не обливайся влагою глаз!  
Пей вино с Луной при луне, ибо эта Луна  
Завтра, быть может, взойдя, не увидит нас.



قُدْرَانِ که مبین کلام خوانند آنرا  
 گاه نه بروام خوانند آنرا

برگردید آیتی هست مقیم  
 کاند همه جامد ام خوانند آنرا

\*

Дунёда улуг сўз — қуръон ўқилур,  
 У ҳам мудом эмас, аҳён ўқилур.  
 Пиёла четида бир оят борки,  
 Ҳар жойда, ҳамиша, ҳамон ўқилур.

\*

Коран, что истиной у анс считают,  
 В пределах христиан не почитают.  
 В узоре чаши виден мне аят,  
 Его наверняка везде читают!



کس غلڊو حچیم رانڊیده ست ایدل      کوکس که از آنجهان رسیده ست ایدل

امید و هراس ما به چیزیت کزان      کس نام و نشان نیز ندیده ست ایدل

\*

Дўзаху жаннатни ким кўрган, э дил,  
У дунё хабарин ким берган, э дил.  
Қўрқув, умидимиз шулардан, аммо —  
Ному нишонасин ким билган, э дил.

\*

Здесь мне — чаша вина и струна золотая,  
В рай ты метишь, но это — приманка пустая.  
Слов о рае и аде не слушай, мудрец!  
Кто в аду побывал? Кто вернулся из рая?



تازه سرور در آسمان گشت پدید  
 بهتر ز می ناب کسی بیچ ندید  
 من در عجبم ز می فروشان کایشان  
 به زانکه فروشنده خواهند خرید

\*

Зухра, ой осмонга чиққан кезданок  
 Майдан соз нарсани ким кўрган... бироқ —  
 Ҳайронман майфуруш бодани сотиб,  
 Пулга нима олур ундан яхшироқ.

\*

С тех пор, как на небе зажглись Луна и светлая Зухра,  
 Нам — смертным — высшее дано блаженство — пить  
 вино с утра.  
 Вино кабатчик продает, а сам, глупец, глотка не пьет,  
 Источник счастья у него; какого ждать еще добра?



در مسجد ارچه بانسی از آمده ام      خاک زنه از بخت نماز آمده ام  
 اینجا روزی سجاده فی وزویدیم      آن کهنه شده ست باز از آمده ام

\*

Масжидга келгандим бир ниёз учун,  
 Рост айтсам, ўйлама, ҳеч намоз учун.  
 Жойнамоз ўғирлаб эдим, эскибди,  
 Яна аста келдим жойнамоз учун.

\*

Вхожу я под купол мечети суровой,  
 Воистину — не для намаза святого.  
 Здесь коврик украл я... Но он обветшал,  
 И в доме молитвы явился я снова.



ای بس که نباشیم و جهان خواهد بود      فی نام زمانه و فی شان خواهد بود

زین پیش نبودیم و نبد هیچ خل      زین پس چون باشیم جهان خواهد بود

\*

Бизлар бўлмасак ҳам жаҳон бўлғуси,  
Бизлардан на ному нишон бўлғуси.  
Аввал-ку йўқ эдик, етмовди халал,  
Яна бўлмасак ҳам, ҳамон бўлғуси.

\*

О, долго в мире нас не будет, — а мир пребудет.  
Умрем: века наш след остудят, — а мир пребудет.  
Как не было нас до рождения, так без изъяна  
Уйдем, и всяк про нас забудет... — А мир пребудет.



آن مایه که نوشی ز جهان پاشی      معذوری اگر در طلب آن کوشی  
باقی همه رایگان نیز دهنشدار      تا عمر گرانمایه بدان نفروشی

\*

Ғайратинг сарф этсанг киймоқ, ичмоққа,  
Арзийди бу ишни маъзур тутмоққа.  
Ҳушёр бўл, қолганин бари арзимас  
Умрингни сарф этиб, ўтиб кетмоққа.

\*

Ты можешь быть счастливым, можешь пить.  
Но ты во всем усерден должен быть.  
Будь мудрым, остальное все не стоит  
Того, чтоб за него свой век сгубить.



افسوس که رفت عمر بر بیهوده      هم لقمه حرام و هم نفس آلوده  
 فرموده ناکرده سیه رویم کرد      فریاد ز کرده های نافرموده

\*

Афсус, умр беҳуда бўлмишдир барбод,  
 Бўлмадик хиромдан бир нафас озод.  
 Буюрганинг қилмай юзим қародир,  
 Амрингдан ташқари ишларимдан дод!

\*

Как жаль, что бесполезно жизнь прошла,  
 Погибла, будто выжжена дотла.  
 Как горько, что душа томилась праздно,  
 И от твоих волнений отошла.



يکت نام بدوروز اگر شود حاصل مرد      وز کوزه شکسته آتی دمی آبی سرد  
 مأمور کم از خودی چرا باید بود      یا خدمت چون خودی چرا باید کرد

\*

Бир нон топиб агар есанг икки кун,  
 Синиқ кўзанг бўлса сув ичмак учун,  
 Узингдан пастларга ёлланмоқ нега,  
 Узингдек хизматин қилмоқлик нечун?!

\*

Коль на день у тебя лепешка есть  
 И в силах ты кувшин воды себе принести,  
 Что за нужда тебе презренным подчиняться  
 И низким угождать, свою теряя честь?



بایخشش تو من از گنه ندیشم    باتوشه تو ز رنج ره ندیشم  
 گر رحم تو ام سپید روی انگیزد    من هیچ زمانه سپید ندیشم

Афвинг бор, гуноҳдан қўрқув билмайман,  
 Ризқ бердинг, йўл ранжин кўзга илмайман.  
 Раҳмингдан оқ юз-ла турсам маҳшарда,  
 Номим қора дея ташвиш қилмайман.

Ты — благ, зачем же о грехах мне думать.  
 Ты — щедр, о хлебе ль на путях мне думать?  
 Коль, воскресив, ты обелишь меня,  
 Зачем о черных письменах мне думать?



از خالق بخشند و از رب رحیم  
نومید مشو ز جرم و عصیان عظیم

گرمست و خراب خفته باشی امروز      فروان بخشد به استخوانهای ریم

Холиқ кечирувчи, раҳмли Раҳмон,  
Исёну гуноҳдан бўлмагил гирён.  
Бугун масту хароб уйқуга кирсанг,  
Эрта афв этилур чирик устихон.

Занимай — великий грех не верит в милосердие творца.  
Если ты, в грехах увязший, превратился в сквернеца,  
Если ты в питейном доме спишь теперь смертельно  
пьяный,  
Он простит твой остов тленный после смертного конца.



شیخی بزن فاحشه گفتا مستی      هر روز بدام دیگری پابستی  
گفتا شیخا هر آنچه کوئی هستم      اما تو چنانکه می نمائی هستی؟

\*

Шайх фоҳишага дер: «Нима бу ишинг,  
Маст бўлиб, қўлма-қўл қўниб юришинг?!»  
У дер: «Мен шундайман, аммо сен айт-чи,  
Сиртинг кўрсатгандай покми қилмишинг?!»

\*

Блуднице шейх сказал: «Ты что ни день — пьяна,  
И что ни час, то в сеть другим завлечена!»  
Ему на то: «Ты прав, но ты-то сам таков ли,  
Каким всем кажешься?» — ответила она.



بشنوز من ای زبده یاران کهن      اندیشه کن زین فلک بی سرون  
 برگوشه غرضه قناعت بخشین      باز بچند دهر را تماشا میکن

\*

Тингла, қадим дўстим, борсан ҳамиша,  
 Вафосиз фалакдан қилма андиша.  
 Қаноат кунжида ўтириб, фалак —  
 Уйинин кўрмоқни айлагил пеша.

\*

О избранный, к словам моим коснись.  
 Непостоянства неба не страшись!  
 Смирено сядь в углу довольства малым,  
 В игру судьбы вниманьем углубись!



این یکدوسه روز تو بهت عمر گذشت      چون آب بجویدار و چون باد بدشت  
 هرگز غم دور مرا یادگشت      روزیکه نیامدست و روزیکه گذشت

\*

Бир-икки кунлик умр ўтади дарҳол,  
 Дарёда сув каби ё чўлда шамол.  
 Кетган ва келмаган ҳар икки куннинг  
 Ғамини эслатиб, кўп берма малол.

\*

Вот снова день исчез, как ветра легкий стон,  
 Из нашей жизни, друг, навеки выпал он.  
 Но я, покуда жив, тревожиться не стану  
 О дне, что отошел, и дне, что не рожден.



دی کوزه گرمی بدیدم اندر بازار      برپاره گلی لگد همی ز دستیار  
وان گل بزبان حال با او میگفت      من همچو تو بوده ام مرا نیکو دار

\*

Бозорда бир кулол кўрсатиб ҳунар,  
Бир бўлак хом лойни тепиб пишитар.  
Лой инграб айтади: Ҳой, секинроқ теп,  
Мен ҳам кулол эдим сендек, биродар.

\*

Дивлюсь тебе, гончар, что ты имеешь дух  
Мять глину, бить, давать ей сотни оплеух,  
Ведь этот влажный прах трепещущий был плотью,  
Покуда жизненный огонь в нем не потух.



هر روز بر آنم که کنم شب توبه      از جام و پیاله لبالب توبه  
 اکنون که رسید وقت گل توبه کجی      در موسم گل ز توبه به یارب توبه

\*

Куйларим ўтади, кечалаб, тавба,  
 Қўлимда пиёла лаболаб, тавба.  
 Букун гул фаслидир, тавба қаёқда,  
 Гул фаслида тавбадан, ёраб, тавба.

\*

Ах, сколько, сколько раз, вставая ото сна,  
 Я обещал, что впредь не буду пить вина.  
 Но нынче, господи, я не даю зарока:  
 Могу ли я не пить, когда пришла весна?



دست چومنی که جام و ساغر گیرد      حیف است که او دفتر و منبر گیرد  
توزا بدشکی و منم فاسق تر      آتش نشنیده ام که در تر گیرد

\*

Кўлимда ҳар маҳал қадаҳ тутганман,  
Минбару дафтарнинг баҳрин ўтганман.  
Мен-ку бир ҳўл фосиқ, сен қуруқ зоҳид,  
Ҳўл — ёнмас, на кўриб, на эшитганман.

\*

Моей руке держать кувшин вина — отрада,  
Священных свитков ей касаться и не надо:  
Я от вина промок; не мне, ханжа сухой,  
Не мне, а вот тебе опасно пламя ада.



سازنده کار مرده و زنده تویی      دارنده این چرخ پراکنده تویی

من گریه بدم خواجه این بند تویی      کس را چه گنجه چو آفریننده تویی

\*

Улик-тирик ишни тузаткувчисен,  
Тарқоқ коинотни кузаткувчисен.  
Ёмон бўлсам ҳамки, сенинг бандангмен,  
Мен нима ҳам қилай? Яраткувчи — Сен.

\*

У мертвых и живых один владыка — ты;  
Кто небо завертел над нами дико? Ты.  
Я тварь греховная, а ты создатель мира;  
Из нас виновен кто? Сам рассуди-ка ты!



ترکیب بیالہ کہ در قسم پیوست      بشکستن آن روانمیدارد دست  
چندین سرو پای نازنین از سر دست      از مهر که پیوست و بکین که شست

\*

Маст кўлига тушса пиёла, асло  
Уни синдирмоқни кўрмайди раво.  
Шунча нозанинлар кўл, бош чаноғин  
Ким синдиради, ким берган оро!

\*

Ужели бы гончар им сделанный сосуд  
Мог в раздражении разбить, презрев свой труд?  
А сколько стройных ног, голов и рук прекрасных,  
Любовно сделанных, в сердцах разбито тут!



اكنون كه گل سعادت پربار است دست تو ز جام می چریکدار است  
 می خور که زمانه دشمنی غدار است دریا نشن روز چنین دشوار است

\*

Бу кун бахтинг боғи гулга тўкиндир,  
 Қўлинг нечун майсиз, юрагинг тиндир.  
 Май ичгил, замона алдамчи бир ёв,  
 Бундай кунни топмоқ жуда қийиндир.

\*

С друзьями радуйся, пока ты юн, весне:  
 В кувшине ничего не оставляй на дне!  
 Ведь был же этот мир водой когда-то залит,  
 Так почему бы нам не утонуть в вине?



چند آنکه نگاه میکنم هر سویی      در باغ روان است ز کوشجوی  
 هر چه بپوش است ز کوشگری      نشین بخت با بختی روی

\*

У ён-бу ёнимга ташлайман назар.  
 Боғларда шилдираб оққан сув — кавсар.  
 Кавсардан сўз очма, далалар жаннат,  
 Шу жаннатда ўтир, ёнингда дилбар.

\*

Везде зеленый рай, куда ни кинешь взгляд:  
 Кавсер течет, в эдем вдруг превратился ад.  
 На райскую траву сядь с гуриеподобной  
 И торопись вкусить от неземных услад.



ایزد چو گل وجود ما میآراست      دانست ز فعل ما چه بر خواهد خاست  
بی حکمت نیست هر گناهی که مرآت      پس سوختن روز قیامت ز بجاست

\*

Азалда лойимни қорганда худо.  
Биларди феълимдан не бўлур пайдо.  
Хукмидан ташқари эмас гуноҳим,  
Хўш, нечун маҳшарда беради жазо?

\*

Когда ты для меня слепил из глины плоть,  
Ты знал, что мне страстей своих не побороть;  
Не ты ль тому виной, что жизнь моя греховна?  
Скажи, за что же мне гореть в аду, господь?



من بنده عاصی ام رضای تو کی است    تاریک دلم نور صفای تو کی است

برین توبه شست اگر بطاعت بخشی    این مزد بود لطف و عطای تو کی است

\*

Мен осий бандангман, ризойинг қани,  
Дилим қоп-қоронғи, зиёйинг қани?  
Итоатим учун жаннатни берсанг,  
Бу менинг ҳаққим-ку, атойинг қани?!

\*

Ты к людям милосерд? Да нет же, непохоже!  
Изгнал ты грешника из рая отчего же?  
Заслуга велика ль послушного простить?  
Прости ослушника, о милосердный боже!



از فکتر خیام بخوان از جملگان دریاب در آن نقش و نگار دوران  
 و در محک عقل بسنج این حصه نقش خود ساز جد نقش خوش از ناخوش آن

شاه اسلام شاه محمّد

\*

### Т у з у в ч и д а н

Хайёмдан ўқигил жаҳон баҳсини,  
 Ундан топажаксан замон нақшини.  
 Ақлинг элагидан ўтказиб бир-бир,  
 Ўзинг ажратиб ол ёмон-яхшини.

### О т с о с т а в и т е л я

Когда Хайяма станешь изучать,  
 Ты там найдешь иных времен печать.  
 Сквозь сито разума ты мудрость ту просей —  
 Добро и зло сумеешь различать.



С(Тадж.)  
У 47

## ОМАР ХАЙЯМ

### Ғубайят

На персидском, узбекском и русском языках

Ўзгачи Ш. Шомухамедов  
Составитель Ш. Шамухамедов

Редакторлар Миртемир, Л. Щербакова  
Хаттот Ж. Эфтихор  
Рассомлар Умарбеков  
ва Э. Исҳоқов  
Расмлар редактори Г. Фролов  
Техн. редактор Э. Саидов  
Корректорлар Ш. Зухриддинов  
А. Слученкова

Босмахонага берилди 22/VII-1969 й. Босишга рухсат этилди  
1/XII-1969 й. Формати 70x108<sup>1</sup>/<sub>32</sub> Босма л. 9,5. Шартли босма  
л. 11,12. Нашр. л. 6,72+0,37 (8 вкл.) Тиражи 100 000  
Ғафур Ғулом номидаги бадиий адабиёт нашриёти. Тошкент.  
Навоий кўчаси, 30. Шартнома № 176-68

Ўзбекистон ССР Министрлар Совети Матбуот Давлат ко-  
митетининг полиграфкомбинатида № 2 қоғозга босилди.  
Тошкент, Навоий кўчаси, 30. 1970 йил, Заказ № 1392.  
Баҳоси 5-муқовада 33 т, 7-муқовада 40 т.

УМАР ХАЙЕМ.

«Рубоийлар». Т., Ғафур Ғулом номидаги бадиий адабиёт  
нашриёти. 1970

304 бет. Текст паралл. форс, узб. рус. тилларида.  
Тиражи 100 000.

ОМАР ХАЙЯМ. Робайят.

С(Тадж.)

Индекс 7-4-3